



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 3, 1977 (भाद्रपद 12, 1899)

No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 3, 1977 (BHADRA 12, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली-१, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० आर० 10/71-प्रशासन-५—निर्वतन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री आर० जगन्नाथन, कार्यालय अधीक्षक, जोन-२ केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो दिनांक 1-८-७७ के पूर्वाह्न में कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया।

पी० एस० निगम

प्रशासन अधिकारी (स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० 10 II-1040/76 ईएमटी०—राष्ट्रपति, डाक्टर एम० श्रीनिवासा रेडी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिञ्जिव पुलिस क्लब में जी० डी० ए० ग्रेड-II(डी० एस० पी०/कंपनी कमाण्डर) के पद पर उनको 27 जून 1977 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बंधोपाध्याय
महायक निवेशक प्रशासन

1-226 जी० आई०/77

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० पी०/एस०-(I) प्रशा-I—राष्ट्रपति, मणिपुर में जनगणना कार्य निवेशक के कार्यालय में अन्वेषण श्री एम० तेज किशोर सिंह को, श्री एन० जोगेन्द्र सिंह के तारीख 26 जुलाई, 1977 से ता० 23 सितम्बर 1977 तक छुट्टी पर जाने से, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थी आधार पर महायक निवेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

ब्रदी नाथ

भारत के उप महापंजीकार और पदेन उप सचिव

विस आयोग

नई दिल्ली-110011, 29 जुलाई 1977

सं० ७ एफ०ए०सी० २(९)-ए०/७७—श्री आर० एन० जैन, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी की योजना आयोग से उनका स्थानान्तरण होने पर 23 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश जारी होने तक सामने विस आयोग में प्रतिनियक्षित की मामला

शर्तों पर 1100-1600 रु० के वेतनमान में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 5 अगस्त, 1977

सं० 7 एफ० सी० 2(15) ए०-७७—अनुसंधान अधिकारी श्री वेंकटरामन को, योजना आयोग से उनका स्थानान्तरण होने पर सातवें आयोग में प्रतिनियुक्ति की सापान्य शर्तों पर 700-1300 रु० के वेतन मान में 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाहन में अगला आदेश जारी होने तक अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी० 2(17)-ए०-७७—श्री आर० के० दर, आई० ए० एम०, संयुक्त सचिव को योजना आयोग से उनका स्थानान्तरण होने पर सातवें वित्त आयोग में 21 जुलाई, 1977 के अपराह्न से अगला आदेश जारी होने तक संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी० एल० सकरवाल, अवर सचिव

भारतीय लेखाप्रीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार, बिहार का कार्यालय

रांची, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० ओ० ई०-I-आडो०-1950—महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री मृत्युंजय कर्मकार, स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 7-6-1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

सं० ओ० ई०-I-आडो०-1957—महालेखाकार, बिहार, अपने कार्यालय के श्री उपेन्द्र नाथ सिन्हा, स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 1-6-1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

ह०/-अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०) बिहार

महालेखाकार का कार्यालय कर्नाटक

बैंगलूर, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० स्थापना 1/ए० 4/77-78/398—महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक बैंगलूर के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के उनके नाम के आगे लिखित दिनांक से स्थायी क्षमता में लेखा अधिकारियों के पद में नियुक्त किया गया है।

1. श्री के० क्रिष्णमूर्ति (2)-1-6-1977

2. श्री टी० सि० क्रिष्णमूर्ति-1-7-1977

एस० सि० बाजर्जी, महालेखाकार

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० 2427/ए० प्रसासन/130/77—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	तिथि
(1) सर्वेश्वरी एम० एस०	सुन्दराजन	13-4-76
(2) सर्वेश्वरी वाई०	सन्करन	16-6-76

के० बी० दास भौमिक, वरिष्ठ उपनिदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० सी० ई० आर० 6/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के छंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ।

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में कम संख्या 3 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

- (1) संयुक्त निदेशक उद्योग
- (2) अनुसंधान अधिकारी
- (3) उप-निदेशक उद्योग
- (4) सहायक निदेशक उद्योग
- (5) निरीक्षक उद्योग } उद्योग अधिकारी/गण
- (6) उप-निरीक्षक उद्योग } वे चाहे किसी भी पदनाम से अभिहित किये गए हों
- (7) निदेशक उद्योग एवं श्रम दिल्ली प्रशासन

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग 1)

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० प्र० 1/1(1045) :—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में

प्रवर सचिव प्रगति अधिकारी सर्वश्री राम किशन एवं बलबीर सिंह को दिनांक 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्नि से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रेड II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. सर्वश्री राम किशन एवं बलबीर सिंह की सहायक निदेशक (प्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुपुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

कीरत सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)
हृते महानिदेशक, पूर्णि तथा निपटान

इस्पात और खान मन्त्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० ई०I-3(1)/74(.)—लोहा और इस्पात नियंत्रक एतद्वारा तदर्थ रूप में श्री ई० पी० नारायण को 8-8-1977 के दिवप्रहर से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न सेवा के लिये नियुक्त करते हैं।

एस० एन० विश्वास
संयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० 4248 बी०/३(7)/71 (एस० के० एम०)/19 बी०—श्री सुरेन्द्र कुमार मंगला को सहायक यांत्रिक इंजीनियर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740 35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के न्यूनतम वेतन मान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० के० एस० वरदन
महानिदेशक

भारतीय खान धूरो

नागपूर, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० ए०-19011(21) 70-स्था० ए०—श्री एस० जी० लधाटे उप खान नियंत्रक भारतीय खान धूरो को दिनांक 6 जून 1977 के पूर्वाह्नि के आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न क्षेत्रीय खान नियंत्रक के रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० सी० रणधीर
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान धूरो

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जुलाई 1977

सं० एफ० 20 (सी०-15) 10/74-ए०१—श्री अमिया प्रसाद मंडल स्थानापन्न माइक्रोफोटोग्राफिस्ट ने राष्ट्रीय अभिलेखागार की सेवा से त्याग दे दिया है। उन्हें 30 जुलाई 1977 के (अपराह्न) से मुक्त किया जाना है।

सं० एफ० 11/2-1/75-ए०१—श्री हरी सिंह यादव, वजानिक अधिकारी, राष्ट्रीय अभिलेखागार की सेवा से त्याग दे दिया। उन्हें 30 जुलाई, 1977 (अपराह्न) से मुक्त कर दिया गया।

दिनांक 12 अगस्त, 1977

सं० एफ० 11-14/76-ए०१—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्वारा कुमारी कृष्णा चौधरी, सहायक अभिलेखाधिकारी प्रेड 2 (सामान्य) और स्थानापन्न सहायक अभिलेखाधिकारी प्रेड 1 (सामान्य) को तदर्थ आधार पर 11 अगस्त 77 के (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अगस्त, 1977

सं० एफ० 11-14/76-ए०१—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्वारा श्री एस० के० खट्टी, सहायक अभिलेखाधिकारी प्रेड 1 (सामान्य) को, 11 अगस्त 1977 के (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ह० अठनीय
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० 4/42/77 एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री राजीव लक्ष्मण गोखले को आकाशवाणी, पुणे में 27 जुलाई, 1977 से आगले आदेशों तक, कार्यक्रम नियांदक के पद पर, अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किंगोर भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० सी० 14013/1/77 भण्डा-१—काशीय रिजिस्ट्रेशन सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 19 (II) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते

हुए श्री पी० सी० कपूर उप महानिवेशक (भण्डार) ने 4 जून 1977 के आदेश संख्या सी० 14013/6/77 ए०वी० के अनुसार सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो करनाल के वरिष्ठ पैकर श्री बासुदेवन नायर को नौकरी से बरखास्त कर दिया।

संगत सिह
उप निदेशक प्रशासन (भण्डार)

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० ए० 12023/4/77 (एच० क्य०) प्रशासन-I—
स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने श्रीमती लिल्ली मधोक के छुट्टी चले जाने पर कुमारी बीना मेहन्दीरत्ता को 7 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्न से 21 जुलाई, 1977 तक स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय में वरिष्ठ आहारविद् (होम इकोनोमिस्ट) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. कुमारी बीना मेहन्दीरत्ता ने 21 जुलाई, 1977 अपराह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय में वरिष्ठ आहारविद् (होम इकोनोमिस्ट) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० 9-34/75 के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० (श्रीमती) उर्मिला गौतम को 23 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आवेदणों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, 2-पाटलीपुत्र कालोनी, पटना में आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 11017/1/76 के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० एस० माधवन को 8 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर में आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

डा० आर० के० पिल्लई, आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक (तदर्थ) को 8 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से कार्यभार से मुक्त किया गया था।

सं० ए० 11017/1/76-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० (श्रीमती) ए० एम० जोशी को 14 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य नागपुर में आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

2. डा० (श्रीमती) उर्मिला गौतम, आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक (तदर्थ) ने 4 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एन० एस० भाटिया
उप निदेशक प्रशासन

राष्ट्रीय बन साधनों का निवेश पूर्ब सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० 14-39/74-प्रशासन—श्री मैस्तम मोधूचन्द्र सिह, जोकि मनीपुर प्रशासन बन विभाग में सहायक बनपाल है, को 18-7-1977 की पूर्वाह्न से बन साधनों के निवेशपूर्व सर्वेक्षण, भरभंग, भूटान में आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति की गती पर महायक बनपाल नियुक्त किया जाना है।

रोमेश चन्द्रा
मुख्य संयोजक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 17 जून 1977

सं० 5/1/77/स्था० 11/2295—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कोंद्र के नियंत्रक निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी हुई अवधि के लिये स्थानापन सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० नाम और पद	अवधि	टिप्पणियां
सं०		

मर्वशी

- | | | |
|---|--------------------------------|---|
| 1. अनंत काशीनाथ कावे
महायक | 18-3-77
मे | श्री एच० जे० मजमून-दार, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है। |
| 2. एम० के० सुरेन्द्र राव
उच्च श्रेणी लिपिक | 25-4-77
से
27-5-77
तक | श्री जे० रामामूर्ति सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है। |
| 3. मुकुंडचंद्र सुन्दरलाल
भट्ट, सहायक | 2-5-77
मे
4-6-77
तक | श्री पी० पी० पाह, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है। |
| 4. दत्तावेष्य शंकर इंगले
सहायक | 4-5-77
मे
10-6-77
तक | श्री पी० सुकुमारत, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है। |
| 5. के० आर० चन्द्रम
पिलै, सहायक | 21-3-77
मे
13-5-77
तक | श्री सी० जी० सुकुमारन सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है। |

दिनांक 1 अप्रैल 1977

सं० प्रार०/1031/सिविल ई० डी० स्था० 11/1252
—निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने श्री गोविचेट्यापालम रामनाथन रामचन्द्रन, वैज्ञानिक अफसर/इंजीनियर (एस० बी०) का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 27-1-77 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

श्री रामचन्द्रन ने अपने पद का कार्यभार दिनांक 27-1-1977 अपराह्न से छोड़ दिया और उन्हे 28-1-1977 से 2-3-1977 तक 34 दिन का सेवान्त अवकाश (सेवान्त नाभ) प्रदान किया गया।

एम० के० एस० सुब्रह्मण्यन
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 30 जून 1977

सं० 5/1/77/स्था० II/2736—भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के नियंत्रक, स्थानापन्न सहायक श्री पी० के० माधव कुरुप को इसी अनुसंधान केंद्र में तारीख 27-1-1977 से 6-3-1977 तक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/77/स्था० II/2737—भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक श्री बी० डी० टिल्लू को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० मुकुदन, जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 6-12-1976 से 6-1-1977 तक, इसी अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यह इस अनुसंधान केंद्र के दिनांक 7 फरवरी 1977 की अधिसूचना क्रमांक 502 का स्थान लेता है।

दिनांक 13 जुलाई 1977

सं० के०/947/स्था० II/2993—श्री एम० जी० कानिक, एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक जो भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में एक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी थे, अधिवर्षिता की आयु अर्थात् 58 वर्ष के हो जाने पर 30 जून 1977 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गये।

दिनांक 26 जुलाई 1977

सं० 5/1/77/स्था० II/3156—भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के नियंत्रक निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी हुई अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम और पद	अवधि	टिप्पणियाँ
सं०			
1	2	3	4
	संवैश्री		
1.	जे० बी० नाइक सहायक	4-5-77 में 2-7-77 तक	श्री ए० ए० नाइक, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है।

1	2	3	4
2.	बी० बी० भागुडे सहायक	16-5-77 से 24-6-77 तक	श्री एन० एल० वेंकि- टेश्वरन, प्रशासनिक अधिकारी II उनकी पदोन्नति पर।
3.	के० एम० नायर (वरिष्ठ)	16-5-77 से 24-6-77 तक	श्री सी० बी० पेंडसे, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है।
4.	आर० वेसिकाचारी माशुलिपिक (वरिष्ठ)	30-5-77 से 8-7-77 तक	श्री टी० एस० परमेश्व- रन, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है।
5.	एस० टी० ओचानी उच्च श्रेणी लिपिक	29-10-76 से 15-1-77 तक	श्री पी० बी० पमतानी, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है।

दिनांक 27 जुलाई 1977

सं० 5/1/77/स्था० II/3184—इस प्रभाग की तारीख 20 जनवरी 1977 की अधिसूचना क्रमांक 284 के आगे, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, के नियंत्रक, श्री जी० एल० श्रीवास्तव, सहायक को, इसी अनुसंधान केंद्र में तदर्थ आधार पर 25 जनवरी 1977 से 25 फरवरी 1977 की अतिरिक्त अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० एस० वेक्टसुबमणियन
उप-स्थापना अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/३(282)/७८-प्रशा०-१०१२०—
इस विभाग की तारीख 1 अप्रैल, 1977 की समसंयुक्त अधिसूचना की अधिकांत करते हुए, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निवेशक एतद्वारा इस प्रभाग के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखाकार श्री ए० श्रीनिवासन को, इसी प्रभाग में 19 मार्च, 1977 के पूर्वाल्प से श्रगले आदेश तक, रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जी० एल० गंग
मुख्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अग्रणीशक्ति, दिनांक 25 जुलाई 1977

सं० रापविष्ट/भर्ती/7(2)/77/692—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न सहायक लेखाकर श्री एम० सी० गुप्ता को इसी परियोजना में तारीख 3-6-1977 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेश होने तक के लिए अस्थायी तौर से सहायक लेखाकर अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह

प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1977

सं० ए०-३१०१६/३/७७-इ० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० सी० जौहर को 1-7-1977 से नागर विमानन विभाग में स्थायी रूप में प्रशासन-अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

विश्व विनोद जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन
नई महानिदेशक नागर विमानन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० 1/358/77-स्था०—श्री छहौ० जे० मणी, तकनीकी सहायक, बम्बई शाखा को 11-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर महायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/431/77-स्था०—श्री आर० के० प्रानंद, तकनीकी सहायक, नई दिल्ली शाखा को 2-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर महायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/432/77-स्था०—श्री राजीन्दर सिंग, तकनीकी सहायक, देहरादून शाखा को जो 16-5-77 से उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किये थे। 2-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर महायक अभियंता नियुक्त किये जाते हैं।

पृ० ८० दामले
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० 1/407/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद द्वारा कलकत्ता शाखा के ज्येष्ठ फौरमेन, श्री

प० के० सहा की अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 11-4-77 से 8-7-77 (दोनों दिन समेत) तक श्री अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से गुरुव्य मैकनिशियन नियुक्त किया जाता है।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी
नई महानिदेशक

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रभुव्य हंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० ३३/१२/७३-इ० सी०-१—राष्ट्रपति, संघ सोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री आर० के० गांगुली की, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 12-7-1977 (पूर्वाह्न) से बास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए०) नियुक्त करते हैं।

2. श्री गांगुली 12-7-77 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवेश्वा पर रखे जाते हैं।

श्री गांगुली, वरिष्ठ बास्तुक (पूर्वी अंचल), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कलकत्ता में नैनात किए जाते हैं।

डी० पी० ओहरी
प्रशासन उपनिदेशक

पूर्व रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० ए० सी० /१०/पी० ओ० /भग I—श्री आर० के० दास, स्थानापन्न प्रवर कार्मिक अधिकारी (कल्याण) कलकत्ता को 1-11-75 से सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में II श्रीणी सेवा में स्थायी किया जाता है।

वी० सी० ए० पवननाभन
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य संतोलय

कम्पनी कार्य विभाग
(कम्पनी विधि बोर्ड)

अहमदाबाद-३८०००९, दिनांक 11 अगस्त 1977

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन मूच्चना भेसर्स पोलीस्टील्स (इन्डीया) लिमिटेड के विषय में।

सं० 1/1678/नीवर्डिङ्गन—कम्पनी अरजी नं० 31/1975 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 1-7-1977 के आदेश द्वारा भेसर्स पोलीस्टील्स (इन्डीया) लिमिटेड का परिसमाप्त का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाया
मंडल पंजीयक गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 के अन्तर्गत मौर ई० एम० सी० वर्कर लिमिटेड भानपुर के सम्बन्ध में।

कानपुर, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० 727/2/2666-लिक्युजेशन—यह कल हाई कोर्ट इलाहाबाद दिनांक 18-5-77 जो कि कम्पनी पेटीशन नम्बर 9 वर्ष 1976 के अनुसार हुआ है।

ई० एम० सी० वर्कर लिमिटेड भानपुर के कार्यों को बन्द किया जाता है और उनके कार्यों की देख-भाल ग्राफ़ि-सिथल लिक्युडेशन उत्तर प्रदेश इलाहाबाद को भौप दिया गया है।

आर० के० लाल
महायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनी
उत्तर प्रदेश, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं डाल्कीन्सन एण्ड पारेख
(इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1977

सं० 13221/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जनकीन्सन एण्ड पारेख (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मेडीएट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, 5 अगस्त 1977

सं० 13286/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेडीएट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं पारेख डाईंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, 5 अगस्त 1977

सं० 14988/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेख डाईंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

वर्णी० बाय० राणे
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मर्लधर उद्योग सम्पदा लिमिटेड, राजेन्द्रनगर तीखी का सम्बन्ध में

जयपुर, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० सांख्यिकी/1207—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मर्लधर उद्योग सम्पदा लिमिटेड, राजेन्द्र नगर, तीखी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विषट्टित कर दी जावेगी।

राम दयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिसार रसम कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० डी० एन०/1697/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मिसार रसम कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1956 और ब्रिटिश इंडिया स्टिम नेविगेशन कं० इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० 7889/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ब्रिटिश इंडिया स्टिम नेविगेशन कं० इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भैरव इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, 11 अगस्त 1977

सं० 26342/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भैरव इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० एस०
इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, 11 अगस्त 1977

सं० 28431/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि के० एस० इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विवरित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 सेडेल्स इण्डिया प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, 11 अगस्त 1977

सं० 29742/56(3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 56 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेडेल्स
इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण

वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त
कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 तथा नेशनल सिण्डीकेट (असम)
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
शिलांग, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० जी० 79/560---कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि नेशनल सिण्डीकेट (असम) प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त
कम्पनी विवरित हो गई है।

एस० के० मंडल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
असम, मेघालय, मणिपुर, बिषुरा,
नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश तथा मिजोरम

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० एम० ए० सी०/ए० सी० क्य०/43/77-78—
यतः मुझे एवं सी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उष्टत अधिनियम' भी हो गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० मकान नं० 1555 मं० नं० 1/14 है तथा जो इतवारी नागपुर, वाडे नं० 36/21, गहीद चौक, इतवारी, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-12-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

परं: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :—

2-226GI/77

1. श्रीमती चंद्रबाई, पत्नी फलचन्द जी सेठी,
गा० खुरई, त० जिला सागर (म० प्र०

(अन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम मोतीलाल जी भाव० }
3. श्री राजेन्द्रकुमार हिरालाल नाथ० }
दोनों म० न० 9/14, गहीद चौक, }
इतवारी नागपुर। } (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1555 मं० नं० 9/14, वा० नं० 36/21.
गहीद चौक, इतवारी, नागपुर।

एच० सी० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 11-8-77

मोहर :

प्रलेप शाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० ए० पी०/२२—यतः मुझे, पी० एन० मलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दी है तथा जो कोहारवाला
में स्थित है (और इससे उपबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री बसंत सिंह पुल श्री गुरदियाल सिंह
गांव कोहारवाला, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री भाग सिंह, सुपुत्र श्री मुन्दर सिंह वासी कोहारवाला,
जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रथमांकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

24 कनाल जमीन जोकि गांव कोहारवाला में है। जैसा कि
रजिस्ट्री नं० 938 तारीख 13-6-77 में है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिंडा

दिनांक 10-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 10 अगस्त, 1977

निर्देश सं० ए० पी०/21/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० ज्लाट जैसा कि विनेय नं० 4172 तारीख 24-1-1977 में है तथा जो नवां शहर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की आवत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिस्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्रीमती दर्शनाकुमारी सुपुत्री अमृतलाल, नवां शहर

(अन्तरक)

2. डा० महिन्द्र कुमार सैनी, सुपुत्र श्री हरीचन्द रेलवे रोड, नवां शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियाँ करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 कनाल धरनी नवां शहर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4172 दिनांक 24-1-77 में है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टडा

दिनांक 10-8-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट ट्री० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1977

निदेश मं० 40/डी०ई०सी०/76-77—यतः मुझे, क० पोन्नन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी मं० 231 है, जो कोडकानल में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, कोडकानल (पत्र मं० 534/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पछले प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

1. श्री मरियरत्नम

(अन्तरक)

2. श्री विजय रघुनाथ तोन्डमान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

कोडकानल, एस० मं० 231 में 50.34 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख 11-8-77

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूत मार्फ़ाटी ८० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

निवेश सं० 29/डीएसी/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सधम प्राधिकारियों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० 39 है, जो बैंकटेस ग्रामनि स्ट्रीट, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 975/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब्लेम, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती एम० ए० रहीला बी,

(अन्तरक)

2. श्री मुनावर हुसैन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी दावेदारः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-2, बैंकटेस ग्रामनि स्ट्रीट, डोर सं० 39, में 1410 रथावर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० एम० जम्बुलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269 घ (1) के अधीन सूचना

2. तैबाली एण्ड सन्स

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

3. जेनरल एन्जीनियरी, स्टोरस

अर्जन रेंज, मद्रास

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निदेश मं० 30/डीइसी/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सम्मान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 303 है जो लिंगि चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में शाँ॑ जा पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, (पत्र मं० 4691/76) में रजिस्ट्रीरकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची

मद्रास-1, लिंगि चेट्टी स्ट्रीट, डोर सं० 303 में 2356 स्क्वायर फीट की भूमि में आधा भाग (और मकान के साथ फर्स्ट फ्लोर)।

के० पोन्नन
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 12-8-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टौ० एन० एस० —

1. श्री पी० एम० उमापति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कायालिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

निवेदा सं० 31/डीइमी/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 303 है जो लिंग चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुभूची में और जो पूर्ण स्पष्ट से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय मद्रास (पत्र
सं० 4692/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

2. तैबाली एण्ड मन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रयुक्त रूपों :—इसमें प्रयुक्त रूपों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमीकरने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अर्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

मद्रास-1 लिंग चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 303, में 2356
स्थावर फीट की भूमि में आधा भाग (और मकान में
ग्राउन्ड फ्लोर)।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त 1977

निदेश सं० 45/शीइसी/76-77—यतः मुझे, के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 362/2 और 1 है, जो करगद्वानकुलम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिन्मनूर (पत्र सं० 2189/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1980 का 16) के प्रवीन 22-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरमें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपजारा (1) के प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्तातः:—

1. श्रीमती आवर्णे अम्माल और आदि।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० बास्करन और

(2) श्री ए० सुरेशकुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आलेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यकारक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राचीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विश्वमनूर करगद्वानकुलम, सर्वे सं० 362/2 (6. 60 एकड़)
और 362/1 (2. 16 एकड़) में 8. 72 एकड़ खेती की भूमि।

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 16-8-1976

मोहर:

प्रृष्ठ प्राइंटी० टी० एन० एस०-----

1. श्री उमा अस्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री कें० रामन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. श्री डी० वी० गव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त, 1977

निंदेश मं० 8/डी०इ०मी०/76-77—यतः मुझे, जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्तमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० टी० एस० मं० 2486, 2487/1, 2, 3, 4 प,
और 4 बी, है, जो बीसालाशी पुरम में स्थित है (और इससे
उपाबूद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम, (पत्र मं० 2430/76) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की आवधि उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यावाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मदुरै, तल्लाकुलम, बीसालाशीपुरम, टी० एस० मं० 2486
और 2487/1, 2, 3, 4 प, और 4 बी में 2 ग्राउन्ड की भूमि
(मकान के साथ)।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज,-1, मद्रास।

तारीख : 16-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त 1977

निदेश सं० 32/डी० ई० सी०/76-77—यसः, मुझे
जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिभकी सं० 35 है, जो अर्गांप्यनायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र
सं० 4715/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 27 दिसम्बर, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सेफुदीन दाऊद भाई
(2) श्रीमती कुबरा भाई
(अन्तरक)
2. श्रीमती सकीना भाई सेफुदीन और श्रीनी भाई
(अन्तरिती)
3. (1) दर्शक लिमिटेड,
(2) शबीर ए० तोडगर,
(3) शबीर ए० ए० हाजी
(4) कुलसम भाई,
(5) शबीर सेफुदीन
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में नमात्म होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधान्य 20 के में
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1 अर्गांप्य नायकन स्ट्रीट, (ग्रार० एस० सं० 4441)
डोर सं० 35 में 2007 स्क्वायर कीट की भूमि (मकान के
साथ) में अभिन्न आधा भाग।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख: 16-8-1977

मोहर :

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेग न० 15/डीईमी/76-77—यतः मुझे, जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी मं० 7, 8 और 9 एरबालु चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1
है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपादव अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
मद्रास, (पव सं० 4536/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के असरके दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यू० वासुदेव राथ

(अन्तरक)

2. श्री कुल भूषण और आदि

(अन्तरिती)

3. (1) श्री जन्दा राजन्सीस

(2) पी० कन्नैया प्रण॑ को०

(3) डीसलस और ट्रैक्टर्स

(4) रामकृष्ण कारपोरेशन

(5) मैन्डल बैक आफ इंडिया

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, डोर सं० 7, 8 और 9, एरबालु चेट्टी स्ट्रीट
और 324, तम्बु चेट्टी स्ट्रीट में एक ग्राउन्ड और 195 स्क्वायर
फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-8-77

मोहर :

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०--

1. पेरिम सामि चिन्नाननजपान्हीयन और आदि
(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० 46/डीइसी/76-77-—यतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 447/1 है, जो सेंगोट्टै में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सेंगोट्टै (पव मं० 2482/76) में भारती
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाद्यताविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपाने में सुविधा के लिए;

तिरुनेलवेलि जिला, सेंगोट्टै गांव एस० सं० 447/1 में 4 80
एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-8-1977

मोहर :

अल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1977

निःशा सं० 39/डी०ई०सी०/76-77—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 218 और 219 है, जो में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीलकरै (पत्र सं० 1708/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अनाग्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों अथवा:—

1. श्रीमती एम० सी० एस० असीमा सुलतान बीबी
(अन्तरक)

2. श्री ए० जावीद हुसैन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की कामी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामनातपुरम, जिला नूर सिहगंग, गांव एस० सं० 218 (6.41 एकड़) और 219 (4.09 एकड़) में 10.50 एकड़ की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख: 17-8-77

मोहर:

प्ररूप प्राइंटी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008

मद्रास-600008, दिनांक 16 अगस्त, 1977

निवेश सं० 3763/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 31 और 32 है, जो एन० सी० बी० रोड़
तिरुचि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जै० एभ० आर०-III तिरुचि, (डाकुमेन्ट) 2197/76) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4 दिसम्बर, 1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तिम की गई है और मृम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भागीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपन्नारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गीता सिल्क और सारी बाजार,

(अन्तरक)

2. गीता सिल्क काट मिरचेंट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तिरुचि, एन० एस० बी० रोड, छोर सं० 31 और 32 में
भूमि और मकान।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 16-8-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०---

1. श्री एम० कन्दसामि

(अन्तर्गत)

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269थ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती पयोल मेरि जोसेत

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास-800008, दिनांक 9 अगस्त, 1977

निवेश सं० 3757/76-77—यतः मुझे के० पोन्नन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8, कामराज नगर, है जो पान्डिचेरी में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पान्डिचेरी 'डाकुमेन्ट' 1589/76 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

पान्डिचेरी, कामराज नगर, डोर सं० 8 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

तारीख : 9-8-77

मोहर

प्रह्लादी० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

ग्रन्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 अगस्त 1977

निवेश सं० 4177/76-77—यतः मुझे कें० पोषन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० अर्बन्ड फार्म्स, '28-35 एकर' आर० एस०
सं० 281/1, 281/2, 281/4, 500/6, 315/3 और 495/3 है
तथा जो अरविन्द फार्म्स स्लेमारगान शोलूर गांव नीलगिरी में स्थित
(और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊटि (डाकुमेन्ट 1426/76)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 22-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० एन० प्रो० गांव गांग० कुमार
(अन्तरक)

2. (1) श्री टी० आर० सुब्रह्मनियन

(2) टी० आर० गमचन्द्रन

ओर

टी० आर० रामपति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाने करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
विभी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य द्वितीय के
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं० :

281/1	18. 41 एकर
281/2	0. 04 एकर
281/4	6. 62 एकर
500/6	1. 82 एकर
315/3	0. 65 एकर
475/3	0. 81 एकर

28. 35 एकर

अर्बन्ड फार्म्स, ज्ञेमारगान, शोलूर गांव

के० पोषन

सक्षम प्राधिकरी

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 16-8-77

मोहर:

प्रसूप आई० दी० एन० एम०

१ बी० एन० बाल्मैण नायण०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त, 1977

निदेश सं० 4178/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है।

और जिसकी सं० टि० एस० सं० 1399/1, 1399/2 और
1400 भाग, जो अवनासी रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
फर्टा प्राधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर 'डाकुमेण्ट 3011/76
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
विसम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत
में अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें बच्चे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशाखा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

4—226GI/77

2. श्रीमती एस० सूर्य कुमारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिचालित हैं, वही
प्रयृष्ट होगा और उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, अवनासी रोड, नया टी० एस० सं० 1399/1,
1399/2 और 1400 भाग में 39 सेण्ट और 66 स्क्वायर
फीट (शेड, कुआं और मोटार के साथ)।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 16-8-77

मोहर :

रक्षण पाई० टो० एन० एस०--

प्रधानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 अगस्त, 1977

निदेश सं० 4183/76-77—यतः मुझे के० पोशन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ओत्तकाल मण्डपम गांव में 13.41 एकर जिसका एस० सं० 350 और 363 में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, किनतुकट्ट (डाकुमेण्ट 716/76) में जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

पूर्व से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्जन यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

1. श्रीमती एन० प्रेमा

(अन्तरक)

2. श्री आर० गाजगोपालन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ओत्तकालमण्डपम गांव में 13.41 एकर का भूमि जिसका एस० सं० 350 और 363।

के० पोशन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रकृष्ट धार्म ३० टी० एम० एस०—

(1) श्री आर० जयरामन, मोहन (मैनर) और रवि (मैनर)
(अन्तरक)

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(1) के प्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माउंट रोड, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 10 अगस्त 1977

निवेश सं० 5388/76-77—अतः मुझे, के० मोन्नन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, दह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० डोर सं० 61, बेल्स रोड, मद्रास 5 में स्थित है
(और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रोर्टी प्रविकारी के कार्यालय, ट्रिलिकेन 'मद्रास' (डाकुमेंट
558/76) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, दिनांक 9-12-76 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की संपत्तारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री ए० एम० अब्दुल करीम
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना यी
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितव
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

मद्रास 5, ट्रिलिकेन, बेल्स रोड, डोर सं० 61 में 1105 स्क्युर
फोट का भूमि (मकान के साथ)

के० मोन्नन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-8-77
मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, विनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 411-अतः मुझे, एन० के० नागराजन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/8 एलूर रोड है, जो गुडिवाला में स्थित (और इससे उपावदूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाला में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (2908 का 16) के अधीन, विनांक 3-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वाक्तियों, प्रवर्ति :—

1. बो० लक्ष्मी भरस्वती, वल्लारी

(अन्तरक)

2. (1) श्रीयन भोग नरसिंह, ब्रह्मस्वरराव
 - (2) श्री० देवेन्द्र प्रसाद
 - (3) वि३ राधाकृष्णमूर्ती
 - (4) श्रीमती मागटि लक्ष्मी
 - (5) पि० रंगोराव
 - (6) पि० ब्रह्मम
- श्री गौरी संकर लक्ष्मी, गुडिवाला

(प्रतिरक्षि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक वाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाला रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3894/76 में निर्गमित अनुसूची संम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी;
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 8-8-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 412—यतः मुझे, एन० के०
नागराजन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 11-14-31 कोत्तरेटा है, जो विजयवाडा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
24-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल तथा पाया गया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) पि० बैंकट कृष्ण राव
(2) पि० बैंकटा नाना सुरेश कुमार
(3) पि० नाशवैंकटा परमानन्द कुमार, विजयवाडा।
(अन्तरक)

2. (1) श्री कालिदास जीवन दास पा
(2) श्री जयेंद्र कुमार कालिदास पा
(3) डन्दुमति जयेंद्र कुमार पा
(4) हे मन्त कुमार, विजयवाडा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 31-12-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3275/76 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज,
काकिनाडा

तारीख: 8-8-77

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० भी० नं० 413—यतः मुझे, एन० के०
नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27-5-76 और 8 गवर्नर पेटा है, जो विजयवाडा
में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वावत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
मुविधा के लिए और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, ठिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अधीत :—

1. (1) टी० बी० जी० कृष्णमूर्ती
(2) टी० बी० सेषा दमयन्ती,
(3) टी० बी० ए० सुब्रह्मन्यम,
(4) टी० बी० विजयारका, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. (1) नीलम सुब्बागर
(2) एन० राधा कृष्ण प्रसाद
(3) एन० श्रीमन्नारायण
(4) एन० श्रीमिशासु
(5) एन० वेंकटा महेश कुमार, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरिष्य व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 31-12-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3263/76 में निगमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक : 8-8-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, विनांक 8 अगस्त 1977

सं. आर. ए. सी. नं. 414—यतः मुझे एन. के. नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 185/3 तथा 182/1 है, जो मेहमांडु में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मन्डपेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रतिरक्त (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. (1) श्री पुब्बाडा नारोपद्धरराव

(2) पि० लक्ष्मी नरसिंहाराव शर्मनद्री।

(अन्तरक)

2. श्री तेतलि गोल्ला रेड्डी अनपर्ती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंडपेटा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं. 2477/76 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन. के. नागराजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-8-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० ग्राम० ए० भी० नं० 415—यतः मुझे एन० के०
नागराजन

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 243/1 है, जो भटलापालेम में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलापुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वैदास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के ग्रम्यसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपबारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी ग्रन्थति :—

1. श्री बोनतु राम मोहन राव और उसका दो बेटे भटलापालेम।

(अन्तरक)

2. (1) चेट्टी रेड्डी सुर्यनारायण
(2) पि० बंगारम, भटलापालेम।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के संबंध में कोई भी ग्रामेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राम्यहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक ग्रन्त 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4809 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 8-8-77
मोहर :

प्रख्यात श्री ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 416—यतः मुझे एन० के०
नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी विभा 30-20/1-10ए, सीतारामपुरम है, जो
विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
विजयवाडा में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 20-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृण्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिकोण से, ऐसे वृण्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया अन्तरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधृतः—
#—226GI/77

1. श्री अतलूरी रामचन्द्राराव विजयवाडा

(अन्तरक)

2. श्री बुडता श्रीरामलु, विजयवाडा

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्दोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-12-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3253/76 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 8-8-1977

मोहर:

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाड़ा

काकिनाड़ा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० ग्राम० ए० सी० नं० 417, —यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36-12-10 है, जो पानी नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-76 से पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तंफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास ऐसे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्तिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिकारी, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रभुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अवृत्त:—

1. सूर्यदेवरा बसवथ्था, काकिनाड़ा

(अन्तरक)

2. श्री अतलूरी रामचन्द्राराव, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वे हिंसद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 6-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3194/76 में निर्गमित अनुसूची।

एन० के० नागराजन

सत्रम प्राधिकारी,

सहायक ग्रामकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाड़ा

तारीख: 8-8-1977

मोदूरः

प्रलेप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 418—यतः मुझे एन० के०
नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
में अधिक है।

और जिसकी सं० 6/21-9-14 है, जो काकिनाडा, में स्थित है
(और इसमें उत्तराखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-76
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
नुक़ब्दा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्रष्ठा-त:-

1. श्री नामाला गन्नेम्मा, काकिनाडा

(अन्तरक)

2. श्री एस० अरंतरामाराव, काकिनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त हैं, वही प्रथा होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्तिक अंत 15-12-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4716/76 में निगमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 11-8-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी १० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 419—यतः मुझे एन० के०
नागराजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6/21-9-14 है, जो काकिनाडा में स्थित है
(और इससे उपावड्ह अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा, में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
शास्त्रण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रश्नारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाष्ठत उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नामाला गन्नेम्मा, काकिनाडा

(अन्तरक)

2. श्री एस० प्रभावति, काकिनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि आद में समाप्त होना हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-ब में यथा-परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौर्किक अंत 15-12-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4717/76 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयस्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 11-8-1977

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी नं० 420—यतः मुझे, एन० के०
नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

• और जिसकी सं० 28-13-8ए है, जो वैजांग में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजांग में रजिस्ट्रीकरण

• अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपस्थापा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों, पर्याप्त:—

1. श्री आठि रेडी, सूर्यकातम, वैजांग।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मू० नरकरतनम, वैजांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधित वाह
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में
से किसी अक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रामित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

वैजांग रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिस्तान अंत अनवरी, 1977
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 31/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 11-8-77

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० १०८०-----

१. श्री जी० वेंकटा स्वामी

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० आर० ए० मी० नं० 421—यतः मुझे, एन० क०.
नागराजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 119/1 तथा 2 रस्तुमबाद है, जो नरसंपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
शणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नरसंपुर में
भारतीय रजिस्ट्रारण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 27-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तारक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या छिया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

भूतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ० के
अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ० की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, प्रतातः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों
में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नरसंपुर रजिस्ट्री प्रधिकारी से पालिष अंत 31-12-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3252/76 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति।

एत० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 11-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 17 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० मी० नं० 422—यतः मुझे प्राप्त को
नागराजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 302, 303, 304 /2, 264, 304/1 तथा 263 है, जो गोपनियम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जगमपेटा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ की अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पमुमर्थिवापिराजु, बैंकट मुब्बारायुडु, गंडेपल्लि, पेट्टापुरम, तालुक।

(अन्तरक)

2. श्री पुण्यमूर्तुल अप्पलराजु, राज बाबू, 33, बोग रोड, मद्रास-17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगमपेटा रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-77 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 15/77 में निरामित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सम्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 17-8-77

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त, 1977

मिवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1281(590)/1-1/77-
७८—यतः मुझे एस० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 568, म्यूनिसिपल नं० 636 है, जो छीकणी-
वाला नौ घोल, गोमती पुर, अहमदाबाद, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पम्भूत प्रतिशत
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर हि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों,
को, जिहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट मर्ही किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बत्ता बत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असौतः—

1. श्री विपिनचन्द्र भोगीलाल पटेल,
मेघालय फ्लैट्स के पास, स्टेडियम रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विनोद कुमार पूंजालाल पटेल,

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पूंजालाल पटेल,
छीकणीवाली घोल, गोमती पुर,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-ए में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमूसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका सिटी सर्वे नं० 568, म्यूनिसिपल
सी० नं० 636 तथा जिसका क्षेत्रफल 81 बर्ग गज है तथा जो
छीकणीवाली घोल, गोमती पुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा
जिसका पूर्ण धर्ण अमूसूची द्वारा प्रकट मर्ही किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीखः 17-8-77

मोहरः

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

प्रधान प्राईटी ० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायन प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० मो० क्य० 23-I-1282(591)/1-1/77-

78—यतः, मुझे, एम० सी० परीब्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है।

श्री जिसकी सं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 से 6 पैकी, सब
प्लाट नं० 4, है, जो वाउज, ता० मिटी, डिस्ट्रिक्ट : अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 1-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूष
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज से उक्त असरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के असरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुत्तर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अन्तर्गत लिमिटेड अन्तियों, अर्थात् :—

6-226GI/77

1. श्री रंजीतकुमार अम्बालाल,
"कुमुम निवास", मीठाखली, एलिम्ब्रीज,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. सतलज को० प्राप० हाउसिंग सोमायटी लि० की ओर से
श्री के० झी० पटेल, मूलजी पारेख नीं पोल,
वाढी ग्राम, दरीयापुर, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल, 952 वर्ग
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 से
6 तक (पैकी सब प्लाट नं० 4 है) तथा जो वाउज, अहमदाबाद
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन दिसम्बर, 76 वाले
विक्री दस्तावेज नं० 9894/76 में दिया गया है।

एम० सी० परीब्रा
मक्षम अधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-8-1977

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० मी० क्य० 23-I-1283(592)/1-1/76-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीबृंद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है ने अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 से 6 तक पैकी सब प्लाट नं० 5 है जो वाउज, तालूका सिटी डिस्ट्रिक्ट : अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरकों के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेंद्र अम्बालाल,
पावर आफ एटार्नी होल्डर,
श्री संजीत कुमार अम्बालाल,
‘कुमुम निवास’, मीठाखली एलिसबिज,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. मतलज को० आप० हाउर्सिंग मोमायटी लि०
मार्फत : श्री के० डी० पटेल,
मूल जी पारेख, नी पोल, वाढीगाम, दरीयापुर,
अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट, जिसका कुल क्षेत्रफल 952 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 से 6 तक पैकी सब प्लाट नं० 4 है, तिथा जो वाउज, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन हिस्त्रिय, 1976 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 9895 में दिया गया है।

एस० सी० पारीबृंद,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-8-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्न रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निवेश सं० ए० मी० क्य०० 23-I-1284(593)/1-1/77-
78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सबैं सं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 में 6
पैकी सब प्लाट नं० 8 है, जो बाऊज तालुका सिटी डिस्ट्रिक्ट
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
प्रायदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1-12-76, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थाय पाया गया प्रतिफल, भिन्नभिन्न
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षतः—

1. श्री सेनेश अम्बालाल,
पावर आफ एटरनी होल्डर,
श्री रंजीत कुमार अम्बालाल,
"कुमुम निवास" मीठाखली, एलिसबिज,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. सतलज को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०
मार्फत : श्री कें० डी० पटेल,
मूलजी परीख नी पोल, बाड़ीगाम, दरीयापुर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वशी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में भासाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक छुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 952
वर्ग गज है तथा जिसका सबैं नं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 में
6 तक, पैकी, सब प्लाट नं० 8 है, तथा जो बाऊज, अहमदाबाद
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 1976 वाले
बिन्दी दस्तावेज नं० 9896 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रंथन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 17-8-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट ई० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1285(594)/1-1/77-
78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अधिकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी मर्वे नं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 से 6 तक, पैकी,
हृग प्लाट नं० 1 है, जो बाउज सालूका सिटी डिस्ट्रिक्ट :
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-12-76
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न प्रे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमो
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनु-
मत्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपकारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अविळियों, ग्रन्तीत :—

1. कांतावेन विधवा

श्री अम्बालाल लल्लूभाई,
पावर आफ एटार्नी होल्डर,
श्री रंजीत कुमार, अम्बालाल,
"कुमुम नियास", मीठाखली, एस्ट्रिङ्ज,
अहमदाबाद ।
(अन्तरक)

2. सतलज को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
मार्केट : श्री के० डी० पटेल,
मूलजी परीख नी पोल,
वाडीगाम, दरीयापुर,
अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरेष्वर्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 952
घर्ग गज है तथा जिसका मर्वे नं० 666-1, सब प्लाट नं० 1 से
6 तक, पैकी, सब प्लाट नं० 1 है तथा जो बाउज, अहमदाबाद
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 1976 वाले
बिक्री वस्तावेज नं० 9897 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद
तारीख: 17-8-77
मोहर :

प्रौद्योगिकी वार्ता एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1286(595)/1-1/77-
78—यह: मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वं नं० 666-1, सब नाट नं० 1 से 6 तक
पैकी सब न्याय नं० 7 है, जो बाउज, तालूका सिटी डिस्ट्रिक्ट
अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली
(अन्तरिलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः भव उक्त अधिनियम की भारा 269 च के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 च की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रश्ननिकुमार अम्बालाल,
पावर आफ एटारनी होल्डर,
श्री रंजीत कुमार अम्बालाल,
“कुमुम निवास”, मीठाखाली, एलिसब्रिज,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मतलज को० आप० हाउसग सोसायटी लि०
मार्फत : श्री के० डॉ० पटेल,
मूलजी पारेख नी पोल,
वाडोगाम, दरीयापुर,
अहमदाबाद।

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोद्धास्त्राक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्याप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूचा।

एक खुली जमीन बाला न्याय का कुल क्षेत्रफल 952
वर्ग गज है, तथा जिसका सर्वं नं० 666-1, सब न्याय नं० 1 से
6 तक, पैकी, सब न्याय नं० 7 है, तथा जो बाउज, अहमदाबाद
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 1976 बाले
बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 17-8-77

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त, 1977

निवेश सं० ए० सी० क्य००-२३-१-१२४८(५९६)/१६-६/
७५-७६—यतः मुझे, प्र० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 10, पैकी, हजूर पैलेस लैन्ड है, जो
स्ट्रीट नं० 1, जयराज प्लाट राजकोट में स्थित है (और इसमें
उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 2-12-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित प्रक्रियों अन्तर्गत :—

1. श्री बाबूलाल नानजी भाई दोदया,
हजूर पैलेस प्लाट,
राजकोट ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जबेरीलाल, एल्यास नटवरलाल, अमनादास,
(2) श्री जयंती लाल, जमनादास,
सोनी बाजार, अस्सा के पास,
राजकोट ।

(अन्तरिती)

मौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पार्दों प्रारंभिक तथा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याय होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जा 132-6-54 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है तथा जिसका प्लाट नं० 10, पैकी, हजूर पैलेस लैन्ड है
तथा जो स्ट्रीट, नं० जयराज प्लाट, राजकोट में स्थित है तथा
जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 76 वाले बिही दस्तावेज नं०
2856 में दिया गया है ।

प्र० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-8-1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त, 1977

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1622(597)/1-1/—

यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
एसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्ते से अधिक है।

और जिसकी मं० सर्वे नं० 3735, कालूपुर, वार्ड नं० 1 है, जो
हवालाला गली नं० 4, सौदागर नी पोल, कालूपुर, अहमदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबूझ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
9-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अब्दुलसामद, अब्दुल्लाह भाई नरमावाला,
कालूपुर, सौदागर नी पोल,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. (1) मोहम्मद मफी, फकीर मोहम्मद,
(2) श्री उममानभाई, फकीर मोहम्मद,
हवाला, गली नं० 4,
सौदागर नी पोल, कालूपुर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिवारित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 300 वर्ग गज भूमि पर स्थित है
तथा जिसका सर्वे नं० 3735 कालूपुर वार्ड नं० 1 है, तथा
जिसका पूर्ण वर्णन 9-12-76 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 10034
में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 17-8-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अगस्त 1977

सं आरा० ए० सी० 64/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वार्ता है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्या 1-4-71/3 से जो शर्वती भाला बीदन नैजामाबाद जिला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 दिसंबर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का वार्ता है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, गिम्बलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्ष में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1) के अधीन गिम्बलिंगित अविक्षयों, प्रर्यात् —

1. श्री शीकुलाल अगरवाल पिता स्वर्गीय सेठ हरीचरन शीवाजी शवन कीशनगज नैजामाबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री अनील कुमार गुप्ता पिता गमकुमार गुप्ता रमेश टाकीज धरनं० 1-4-71/3 बीदन, नैजामाबाद जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर यह सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तांतरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही पर्याप्त हांगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

खुली जमीन जिसका विस्तारण 3360 धर्ग गज जिसका म्युनिमीपल नं० 1-4-71/3 शर्वती भाला बीदन, नैजामाबाद जिला, रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज नं० 2398/66 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद जिले के अद्वाप में :—

उत्तर —हतुमान टाकीज

दक्षिण —गोष्ट का भारकीट

पूर्व —म्युनीसीपल जमीन

पश्चिम —म्युनीसीपल रास्ता

के० एस० वेंकटरामन

सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

दिनांक : 11-8-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 65/77-78—अतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

5-8-522

और जिसकी सं० ——— है, जो विराग अली लेन में स्थित है
2

(और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1098 (1908 का 16) के अधीन 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक
(प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथात्:—

1. श्रीमती फ़कुनिसा बेगम पत्नी शरफुद्दीन खान 5-8-522
मुकरब गंज लेन, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स यूनिवर्सल को-आपरेटिव हाउस कनस्ट्रक्शन सोसा-
यटी, लिमिटेड, विरागअली लेन हैदराबाद। (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्तकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-निरिभावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका नं० 5-8-522/2 जिसका क्षेत्रफल 169.22
वर्ग मीटर्स जो मुकरब जंग लेन में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण
सं० 2317/76 जो रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में वर्ज किया है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 12-8-77

मोहर:

प्रलेप ग्राही ३० टो ० एस०----

1. श्रीमति फकरुल्लासा वेगग, ५-८-५२२ मुकरबगंज लैन,
रुद्राबाद (अन्तरक)

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आरा० प० सी० ६६/७७—७८—१८—यत० मुझे के० एस०
वेंकटरामन

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० ५-८-५२२ है, जो मुकरबगंज लैन में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन 1976 विसम्बर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्त
विश्वास से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया
गतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश्य अन्तरण सिद्धित में
प्रतिक्रिया रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य मासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त :—

2. मेसर्स वी यूनिवर्सल को-आपरेटिव हाउस कनस्ट्रक्शन सो-
सायटी लिमिटेड ५-८-५२१, निराग अली लैन हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ५-८-५२२ जो मुकरबजंग लैन, हैदराबाद में स्थित है जिसका क्षेत्रफल ३८८.५२ वर्ग मीटर है और रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण सं० २३१८/७६ में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : १२-८-७७

मोहर :

प्रसूत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 67/77—78—अतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
में प्रधिक है।

और जिसकी सं० 5-8-522/1 है, जो चिरागगढ़ी लेन में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (198 का 16) के अधीन दिसम्बर 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्रम से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
गया वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती फकरबीसा बेगम, 5-8-522, मुकरबंग लेन,
हैदराबाद। (अन्तरक)
2. दी यूनीवर्सल को-आपरेटिव हाउस कनस्ट्रक्शन सोसाइटी,
चिरागली लेन, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-522/1, मुकरबंग लेन, हैदराबाद, थोकफल
163, 23 वर्ग मीटर्स, जिसका रजिस्ट्रीकरण सं० 2319/76
जो रजिस्ट्रीकरण कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 12 अगस्त 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 68/77-78—अतः मुझे के० एस०
बैंकटरामन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसको सं० 5-8-519 है, जो मुकरब जंग लेन में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्रीमति फकरुशीसा बेगम, 5-8-522, मुकरब जंग लेन,
हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमति नारामनी पन्थी गिरीराज गोयाल 5-3-1053
शंकरबाग, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 5-8-518 और 519, मुकरब जंग लेन, हैदराबाद
धेत्रफल 194.77 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकरण सं० 2320/76
रजिस्ट्रीकरण कार्यालय, हैदराबाद।

के० एम० बैंकटरामन,
सक्षम प्राक्षिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 12-8-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

1. श्रीमति फकहशीसा वेगम 5-8-522, मुकरबगंज लेन,
हैदराबाद।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 69/77-78—अतः, मुझे, कौ० एस०
बैकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० 5-8-520, 520/1 और 2, है, जो मुकरबगंज लेन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्रीमती तारामनों पत्नी गिरीराज गोयल, 5-3-1053
शंकरबाग, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मोटर खाने नं० 5-8-520, 520/1 और 2, मुकरबगंज लेन, हैदराबाद, क्षेत्रफल 130.19 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकरण मं० 2324/76, रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० बैकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 70/77—78—अतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी पं० 5-8-521 है, जो मुकरबजंग लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसंबर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीप ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमति फक्करशीसा वेगम 5-8-77, मुकरबजंग लेन, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति नारामनी पत्ती गिरीराज गोयाल, 5-3-1053 शंकर बाग, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूचा

घर नं० 5-8-521, मुकरबजंग लेन, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण सं० 2322/76, रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० एस० वेंकटरामन
मकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक 12-8-77
मोहर :

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० मी० 71/77--78—अतः मृमे के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीष्मीय सं० 5-8-525, है, जो मुकाबजंग लेन में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपादव अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीष्म अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; योर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रीष्म अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति फकहमीसाम वेगम, 5-8-522, मुकाबजंग लेन, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति लक्ष्मीबाई पत्नी जगदीश परणाद 27-1-293, किरणव गंज, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 5-8-525, मुकाबजंग लेन, हैदराबाद क्षेत्रफल 236 वर्ग मीटर्स, रजिस्ट्रीकरण सं० 2321/76, रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 12-8-77
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट डी० एन० एस०—

1. श्रीमति फ़कूशीमा वेगम, 5-8-522, मूकरबज़ंग लेन,
हैदराबाद
(अन्तरक)आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 72/77—78—ग्रतः मुझे को० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से प्रधिक है,
और जिसकी सं० 5-8-524 है, जो मूकरबज़ंग लेन में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मैं, ग्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

2. श्रीमति लक्ष्मीबाई पत्नी जगदीश परशाद 21-1-293
रिकाबगंज, हैदराबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-524, मूकरबज़ंग लेन हैदराबाद, क्षेत्रफल
225.33 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकरण सं० 2323/76, रजिस्ट्री-
कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 12-8-77
मोहर

अर्जन रेंज हैदराबाद

प्ररूप प्राइंटी १० एन० एस०

1. श्रीमति फक्कुनीसा बेगम, ५-८-५२२, मूकरबजांग लेन
हैदराबाद
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० सं० 73/77—78—ग्रन्त: मुझे के०
एस० वेंकटरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० ५-८-५२३ है, जो मूकरबजांग लेन में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तिया
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;ग्रन्त: यद्य प्रति उक्त अधिनियम, की धारा 269घ के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की
उधारा (1) के प्रधान निम्नलिखित विकल्पों, अर्थात्:—
8—226GT/772. श्रीमति लक्ष्मीबाई पत्नी जगदीश परशाद २१-२-२९३,
रिकाब गंग, हैदराबाद
(अन्तरक)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सबध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित व्यक्ति के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० ५-८-५२३, मूकरबजांग लेन, हैदराबाद, क्षेत्रफल
१८५.२४ वर्ग मीटर्स, रजिस्ट्रीकरण मं० २३२५/७६ रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद।के० ए० ए० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद
दिनांक 12-8-77
मोहर :

प्रलूप आई०टी०एत०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1977
निवेश सं० आर० ए० सी० 74/77-78—अतः मुझे को

एस० वेक्टरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
नारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची जमीन सूचे नं० 11/2 अकरामपली है, जो
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेन्नायिरी तीरुपति में
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपभारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रोमती-श्रद्धेम, नारायनमा पती मुनी स्वामी रेडी, (2)
श्रद्धेम सीदम्मा पती चन्द्रायामी रेडी (3) श्रद्धेम रंगुरायी रेडी
तमाम लीग अकरामपली पोस्ट चेन्नायिरी तलुवा चीतूर जिला।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मुंडुगुपलरी फदमावतमा पती नरमीयलू नाथुदू
दामोरा गली तीरमाला पोस्ट तीरुपति। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यकाहिंग करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन है सर्वे नं० 11/2, अकरामपली चेन्नायिरी तलुवा
चीतूर जिला में है—जुमला जमीन 22 एकड़ है रजिस्ट्री की गई है
दस्तावेज नं० 3825/7634 रजिस्ट्री कार्यालय तिरुपति में।

के० एस० वेक्टरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 16-8-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 75/77—78—यतः मुझे, के०
एस० वैंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13/482/एच 13/483 है, जो वै० वी० गली
कड़पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़पा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० बी० एल० नससीमलू चैटी अमेराट गली कडपा
(अन्तरक)

2. श्री अमरस्वामी रमेश बाबू पिता सुबारायू० वै० वी०
गली कडपा (अन्तरिती)

3. (1) बाटा शू कम्पनी, (2) सुदरशन चिट फंड, (3)
दाउदटेलर तमाम लोग 13-482/एच और 13/483 वै० वी०
गली कडपा। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वरवाजानं 13/482/एच और 13/483 वै० वी० गली कडपा
रजिस्ट्री का नं० 5780/76 उप रजिस्ट्री कार्यालय कडपा म।

के० एस० वैंकटरामन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद।

दिनांक 16-8-1977

मोहर

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 76/77-78—अतः मुझे के० एस०
बेंकटारामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से प्रथम है और जिसकी सं० 21/2/639 और 640 है, जो उद्दूशीरीक हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीगं पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दुबौली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनियों, अर्थात् :—

(1) 1. एकबाल हुसैन, (2) एहराज हुसैन, (3) साद-हुसैन, (4) कली कूनीसा बेगम, (5) लयाकुनीसा बेगम रकीक-नीसा बेगम सब घर नं० 21-2-640 उद्दूशीरीक, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. माली राम पिता सामरमल और रमेश चन्द्र घर नं० 21-2-769 उरदु शरीफ, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में पथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

दूसरा मनजला घर नं० 21-2-639 और 640 उरदु शरीफ, हैदराबाद में है जोका विस्तीर्ण 32.85 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री की गई दस्तावेज नं० 553/76 उप-रजिस्ट्री कार्यालय दुबौली, हैदराबाद में।

के० एस० बेंकटारामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-8-77

गोहर :

प्रसूप शाई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अगस्त 1977

निदेश सं० 124 ए/अर्जन/मेरठ/77-78/253—अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री नव्यू पुत्र राम निवासी ग्राम जजोखर पोस्ट खास परगना तहसील व जिला मेरठ। (अन्तरक)

2. श्री करन सिह, मगन सिह, प्रेम सिह पुत्रगण उमराव सिह निवासी ग्राम जजोखर पोस्ट खास जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 7 बीघा 2 बिस्वा 19 बिस्वान्सी ग्राम जजोखर तहसील व परगना मेरठ में स्थित 42885 रु के कुल मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 9-8-1977

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त 1977

निवेश सं० 122 ए०/अर्जन/मेरठ/77-78/2536—अतः,
मुझे आर० सी० भार्गव

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरधना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रामियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीरपाल सिंह पुत्र देवी सिंह निवासी ग्राम चिरोदी परगना दौरासा तहसील सरधना जिला मेरठ (अन्तरक)

2. श्री गोपी चन्द्र ब्रह्म सिंह पुत्रगण मामराज निवासी ग्राम चिरोदी परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि लगभग 12 बीघा ग्राम चिरोदी तहसील सरधना जिला मेरठ में स्थित 18000 रु० के कुल मूल्य में बेची गयी।

आर० सी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कानपुर

दिनांक : 11-8-77

मोहर :

प्रलेप प्राई० दी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कावलिय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड-560004

धारवाड-560004, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० 189/77-78/अर्जन-ग्रतः, मुझे, डॉ० सी० राजागोपालन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इषए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पुराना खाता नं० 1494 और नई खाता नं० 9102, है, जो साइट नं० 353, 5वां ब्लाक चित्रदुर्ग टाउन, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चित्रदुर्ग अंडर डाकुमेंट नं० 1136 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रंगपा पुत्र दोडाधिमस्ता, (2) कूर्णपा पुत्र रंगपा,
(3) रंगपा नाबालिङ गाडियन बाई ग्रांड फादर श्री महार्लिंगपा,
मब कल्लाहलिं गांव के निवासी हैं। हिरीयूर तहसील चित्रदुर्ग
जिला (अन्तरक)

2. श्री टिं जिं राजाशेखारपा पुत्र हस्वरपा कूकिंबाई
गांव हिरोगंटूर होबली चित्रदुर्ग जिला अब सहायक द्वीनियर
के० ई० बिं होसादुर्गा (चित्रदुर्ग जिला) (अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की समील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

खुला स्थल और मकान 5वां ब्लाक वेंकटेशपुरा, चित्रदुर्ग टाउन, संख्या 1494 और नई खाता नं० 9102 साइट नं० 353

डॉ० सी० राजागोपालन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड

दिनांक : 11 अगस्त 1977

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस० —————
ग्रांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड-560004, दिनांक 6 अगस्त 1977

निवेश सं० 187/77-78/अर्जन—अतः, मुझे, डी० सी० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनिसिपल संख्या 170/ए. है, जो रेलवे स्टेशन का रास्ता, हासन सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हासन अंडर डाकुमेंट नं० 4390 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० पी० पदमानाभव्या पुत्र एच० पी० पास्वनाथव्या, को० आर० पुरम, नार्दन एक्सटेंशन हासन (अन्तरक)
2. श्रीमति एच० आर० कम्तुरीबाई पत्नि एच० एस० रवि कुमार, सुभाष चौक, हासन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना के तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्षियां होती हैं।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति एक मकान और खुला स्थान रेलवे स्टेशन को जाने का रास्ता पर है। हासन म्युनिसिपल नं० 170/ए,

मकान का स्थल

60'×35'=2100 फीट : 50 प्रतिशत शेयर
खुला स्थान 60'×132=7320 फीट : 50 प्रतिशत शेयर

डी० सी० राजगोपालन
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड

दिनांक : 6-8-77

मोहर :

प्रूप भाई० ई० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़-570004, विनांक 6 अगस्त 1977

निर्देश सं० 188/77-78/अर्जन—अन्तः मुझे, डॉ० मी० राजागोपालन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण
है कि स्थाघर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मुनिसिपल नं० 170, है, जो रेलवे गाड़ी के रास्ते
पर, हासन सिटी में स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हासन
प्रांडर डाकुमेंट नं० 4393 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-12-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रमद्ध प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन्तः अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, इवाँ:—
9-226GI/77

1. एच० पी० जयराज पुत्र एच० पी० परचानाथया,
नार्दन एक्स्टेंशन, हासन। (अन्तरक)

2. श्री एच० आर० मंजग्या पुत्र एच० रविकुमार, सुभाष
चौक, हासन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति एक घर और खुला स्थान है। रेलवे स्टेशन के रास्ते
में है। हासन सिटी। मुनिसिपल नं० 170।

मकान का आवरण

$60' \times 35' = 2100$ फीट है : 50 प्रतिशत शेयर
खुला स्थान $60' \times 132' = 7320$: 50 प्रतिशत शेयर

डॉ० सी० राजागोपालन,
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 6-8-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 अगस्त 1977

निदेश सं० 11-आई०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो 3, बिशप राकी स्ट्रीट, फैजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के स्थिति अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० सी० एम० ठैकोर व श्रीमति जोस्फीन ठैकोर।
(अन्तरक)
2. इंडिया एवरी होम कूमेडी।
(अन्तरिती)
3. डा० सी० एम० ठैकोर व श्रीमति जोस्फीन ठैकोर।
(वह, अकिञ्जित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 13990 वर्ग फीट है, जो कि 3, बिशप राकी स्ट्रीट, फैजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 11-8-1977

मोहर :

प्रस्तुप प्राइवी टी० एन० एस०-

1. श्री रामकृष्ण दाँ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

2. श्री अजित कुमार दाँ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अगस्त 1977

निदेश मं० ए० सी०-५/आर०-IV/कल०/७७-७८—अतः
मुझे एम० एम० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 86, 292, 253, 538, है तथा जो ईस्लाबाद, बर्धवान में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बर्धवान में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

॥

अनुसूची

मौजा ईस्लाबाद, थाना तथा जिला खतियान बर्धवान सं० 86, 292, 253, 538, प्लाट सं० 31, 33, 34, 35, 36, 37, 103, 104, 105। जमीन का परिमाण 4.53 एकड़, माथ भकान, राईस मिल आदि जैसा कि दस्तिल सं० 9468 मं० (1976 का) जिला सब रजिस्ट्रार बर्धमान में वर्णित है।

एम० एस० ईनामदार,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता
54, रफीअहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 3 अगस्त 1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पर्नाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 9 अगस्त 1977

निवेश सं० एल० सी० 145/77-78—अतः मुझे, सी०पी०ए०
वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है, जो रामेश्वरम और
मट्टान्वेत्रि विल्लेजस में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोच्चिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 14-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपचारा(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स यूनाइटेड इंडस्ट्रीज (कोच्चिन) लिमिटेड,
कोच्चिन-5। (अन्तरक)

2. मैसर्स इंटरनेशनल फिशरीज लिमिटेड, बम्बई-23।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

²⁹³
1 acre 25²⁵⁰⁰ cents in Sy. No. 569/5, 570, 571, 1446/1
and 2 and 1166 of Rameswaram village, Cochin Taluk.

15 cents 40 sq. links in Sy. No. 774/2, 774/3, 775/3, 1305
and 1308 of Mattancherry Village, Cochin Taluk with build-
ings—*vide* Schedule to Document No. 3021/76.

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पर्नाकुलम

दिनांक : 9-8-1977

मोहर :

प्रूप्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश सं० जीएसपी/16/77-78—अन्तः मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिमकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम जपूवाल से 1 कि० मी० पश्चिम तरफ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूरे रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

1. श्रीमति मिन्हो पुत्री श्री तारा मिह, निवासी ग्राम एवं डाकखाना गुरदासनगल। (अन्तरक)

2. सर्वेश्वी जागीर मिह एवं कर्मीर मिह पुत्र श्री तेजा मिह, ग्राम गुरदासनगल। (अन्तरिती)

3. जैमा कि उपर क्रमांक 2 पर अंकित है श्रीग यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4, कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में हचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इवत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूरुची

भूमि नाम 36 कनाल जो ग्राम जपूवाल से 1 कि० मी० पर पश्चिम तरफ स्थित है जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 7035 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुरदासपुर में लिखा है।

प्रम० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

दिनांक 12-8-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश मं० जी० एस० पी०/१७/७७-७८—अतः मुझे, एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिनकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम जोगी चीमा में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुमूली में और पुर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नामिक फरवरी, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तारा मिह पुत्र श्री सन्ता मिह, ग्राम जोगी चीमा।
(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर लाल पुत्र श्री मुशीराम, कादियां।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ए में यथा परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नाप 46 कनाल 9 मरला, जो ग्राम जोगी चीमा में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलोब्र संख्या 6569 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12 अगस्त 1977

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त दिनांक 1977

निदेश सं० ए० एम० आर० 19/77-78—अतः मुझे,
एम० के० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान एवं भूमि है तथा जो कटरा शेर मिह,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृढ़ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री गतन चन्द निवासी जी० टी०
रोड अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमति मनोहरवती, श्री जनिन्दर नाथ पुरी, श्रीमति
ज्योति पुरी, श्री अक्षनाथ पुरी, कटरा शेर मिह अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बाते में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस ग्रन्थाने के ग्रजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुमूल्य

दुकान एवं जमीन जो कटरा शेर मिह, अमृतसर में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलोब मध्या 1169 दिसम्बर 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर शहर में लिखा है ।

एम० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 12 अगस्त 1977

मोहर :

प्रेरुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 10 अगस्त 1977

निर्देश म० ए०ए०म०आर०/18/77-78—अन्तः मुझे एस०
के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकम० 35 है तथा जो माडेल टाउन, अमृतसर में स्थित है (श्रीं इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों अर्थात् :—

1. श्री जगत छन्दर सिंह, पुत्र श्री गुरदियाल सिंह निवासी-35,
माडेल टाउन, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री शामदाम पुत्र श्री ईश्वर दाम, श्री केवल कृष्ण पुत्र
शामदाम 35 माडेल, टाउन अमृतसर (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार
हो।)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्थानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भावित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी नं० 35 माडेल टाउन, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख संख्या 1171 दिसम्बर, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 10 अगस्त 1977

मोहर :

प्रलूप आई०टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 1977

निर्देश मं० ए एम आर/15/77—78—अतः मुझे एस० के० गोथल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 71 है तथा जो जोशी कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी प्राय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—226GT/77

1. श्री किशन किशोर पुत्र श्री बीमानाथ निवासी—कटरा ब्रजाना, अमृतसर (अन्तरक)

2. सर्वथी हरीश कुमार एवं रमेश कुमार पुत्रगण श्री हंसराज एवं श्री हंसराज पुत्र श्री मनीराम निवासी—कटरा हरी सिंह, बाजार बहियां बाला अमृतसर (अंतरिती)

जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो—।

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो—।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 71 जोशी कालोनी अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख संख्या 1095 दिसम्बर, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोथल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : अगस्त 1977

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्राधिकर प्रायुषत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए०सी० एकबी०/भोपाल 77—78/880—
अतः मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व कच्चा मकान है जो वाराणसी व रायगढ़ में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण के रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय रामगढ़ में रजिस्ट्रीक्षत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-1977 को प्रवर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का द्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) या अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ताः पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) कीमतेन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) महाराज कुमार विलीप सिंह व पुत्र श्री महाराजा विजय भूषण सिंह देव :—

(2) महाराज विजय भूषण सिंह देव पुत्र श्री स्व० महाराजा देव सरन सिंह देव

(3) युवराज रन विजय प्रताप सिंह देव

(4) राज कुमार विक्रमादित्य सिंह देव

(5) कुमारी भिनालिनी सिंह देव पुत्री स्व० युवराज उपेंद्र सिंह देव, सभी—निवासी जसपुर नगर, जिला रायगढ़

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शारी कांत, शांता भाई पटेल एंड कम्पनी; एक भारीदार कर्म स्थित मोहल्ला राजा दरवाजा, वाराणसी द्वारा पार्टनर्स (1) पन्ना लाल पटेल, (2) जसभाई पटेल, (3) कांती भाई पटेल (4) शांतु भाई पटेल, सभी वयस्क पुत्र श्री छोटा भाई पटेल सभी निवासी ब्रह्मापुरी, चौखम्बा वाराणसी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके दूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रथम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(i) कारपोरेशन नं० बी-3/98, बी-98, बी-3/98 बी, बी-3/132 व बी-3/133 स्थित मोहल्ला शिवाला, वाराणसी ।

(ii) सभी कच्चा मकान (मिट्टी का बना) कबेलूदार साथ में बगीचा (बाढ़ी) वि० खसरा नं० 940/3 क्षेत्रफल 289 सीमल स्थित ग्राम मानोरा (जसपुरा) पी०सी० नं० 45, ग्राम० आई० सी० जसपुरा जिला रायगढ़ ।

रा० कु० बाली

संक्षम प्राधिकारी

सहायक प्राधिकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक 11-8-77

मोहर :

प्रस्तुति प्राइवेट टी० एम० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना-41104 दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० सी० ए० ५/फरवरी/७७/हवेली II (336/77-78-
अतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में दिया गया
है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली
II पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 15-2-77।बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में इतिहासिक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिसमें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात् :—1. श्री आर० के० पुरी और मेंक्षालिटी फार्म, और, पूना
(अन्तरक)2. श्री मे० वेस्टर्न हचरिन प्रायवेट लिमिटेड 125, जंगली
महाराज पथ, पूना 4
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूठ किनी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा और जिसके ऊपर बिल्डिंग जो गट नंबर
1008, 1009, 1011, 1013 और 1014 नायगांव व तालूका
हवेली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 6 एकड़ और 24 गुंडा है।(जैसे भी रजिस्ट्रीकृत विलेब्र क्रमांक 157 दिनांक 15-2-77
को सभ रजिस्ट्री, हवेली II, पुना में हुआ है।)श्रीमति पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुनादिनांक 11 अगस्त 1977
मोहर :

प्रलेप भाई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61एंडरवना कर्वे रोड
अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं. सी० ए० 5/थाना/एप्रील 77/335—ग्रतः मुझे
श्रीमति पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट क्र. 3, सी० टी० एस० क्र० 67, टिक्का
22 तथा जोपाडा, थाना में स्थित है (और इससे उपावदु
अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय थाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 12-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क') अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिखने में सुविधा के लिए;

ग्रतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथतः —

1. श्री बा-राव संताजी खापरे कोलहायर बाग, कोपरस रोड,
थाना (अन्तरक)

2. पंकज को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमी०,
गोखले रोड, पोस्ट आफीम के पीछे ब्राह्मीन सोसायटी थाना
400602।

- (1) श्री एस० बी० खापरे,
- (2) श्री व्ही० ए० ठोसर,
- (3) श्री बी० बी० जैन,
- (4) श्रीमति ए० एस० जयवंत
- (5) श्री व्ही० खापरे,
- (6) श्रीमति ए० एस० नेवालकर,
- (7) श्री सी० एस० पवार
- (8) श्री जी० एस० गांगाल
- (9) श्री एस० आर० चोकसी
- (10) श्रीमति सी० एस० पवार
- (11) श्री के० जी० खाने
- (12) श्री पी० के० नंबीआर
- (13) श्रीमति जी० डी० डागा
- (14) श्री आर० जे० कोलस्टकर
- (15) श्री डी० ए० डागा
- (16) श्रीमति सी० व्ही० दारने
- (17) श्री व्ही० व्ही० संशस्त्र बुद्धे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रय॑ होगा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्र० 3, सी० टी० एस० क्र० 67, टिक्का क्र० 2,
678 वर्ग यार्ड्स :—

इसके ऊपर बिल्डिंग—जो निम्न तरह से बेरा हुआ है :—

उत्तर के तरफ :—श्री खापरे का प्रापर्टी

दक्षिण के तरफ :—गिरीगेध को-आप० हाउसिंग सोसायटी

10, रास्ता।

पूर्व के तरफ :—नोकेश्वरवाल व्ही० अप हाउसिंग सोसायटी
पश्चिम के तरफ :—श्री सावले का प्रापर्टी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 81 दिनांक 12-4-77 को
सब रजिस्ट्रार थाना के दफ्तर लिखा है)।

श्रीमति पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 11 अगस्त, 1977

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 12th August 1977

No. F.31/77-SCA(I).—1. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri H. S. Munjral, Officiating Assistant Registrar at the disposal of the Grover Commission of Inquiry, New Delhi with effect from the afternoon of 11 August, 1977, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. S. Suri, Private Secretary to Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 12 August, 1977, until further orders *vice* Shri H. S. Munjral, Officiating Assistant Registrar (on deputation).

The 13th August 1977

No. F.29/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri B. M. Chandwani, Private Secretary to Hon'ble Justice at the disposal of the P. Jagannmohan Reddy, Commissioner of Inquiry, New Delhi with effect from the forenoon of 1 August, 1977, until further orders, on usual terms and conditions of deputation.

The 16th August 1977

No. F.6/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Smt. Sharda Lowe, Assistant, as Officiating Section Officer with effect from the afternoon of 16 August, 1977, until further orders.

R. SUBBA RAO, Dy. Registrar (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A. R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th August 1977

No. R-10/71-Ad.V.—On attaining the age of superannuation Shri R. Jagannathan, Office Supdt., Zone-II, C.B.I. relinquished charge of his office of Office Supdt., C.B.I., in the forenoon of 1-8-77.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 10th August 1977

No. O.II-1040/76-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. M. Sreenivasa Reddy as GDO (Gd.II) (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th June 1977 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 12th August 1977

No. P/S(1)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Tejkishore Singh, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Manipur, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from 26-7-1977 to 23-9-1977, against the leave vacancy of Shri N. Jogendra Singh.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 29th July 1977

No. 7 F.C.2(9)-A/77.—On transfer from the Planning Commission, Shri R. N. Jain, Senior Research Officer has been appointed as Senior Research Officer in the Seventh Finance Commission in the scale of Rs. 1100—1600, on usual deputation terms, with effect from the 23rd July, 1977 (forenoon) until further orders.

The 5th August 1977

No. 7 FC 2(15)-A/77.—On transfer from the Planning Commission, Shri K. Venkataraman, Research Officer, has been appointed as Research Officer in the Seventh Finance Commission, in the scale of Rs. 700—1300 on the usual deputation terms, with effect from the forenoon of the 1st August, 1977 until further orders.

No. 7 FC 2(17)-A/77.—On transfer from the Planning Commission, Shri R. K. Dar, I.A.S., Joint Secretary, has been appointed as Joint Secretary in the Seventh Finance Commission with effect from the afternoon of 21st July, 1977 until further orders.

P. L. SAKARWAL
Under Secretary

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
(OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR,
RANCHI)

Ranchi, the 11th August 1977

No. OE-I-Audo-1950.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Mrityunjai Karmkar, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in this office with effect from 7-6-1977 (F.N.).

No. OE-I-Audo-1957.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Upendra Nath Sinha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in this office with effect from 7-6-1977 (F.N.).

B. P. SINHA
Sr. Deputy Accountant General, (Admn.)
Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA

Bangalore, the 8th August 1977

No. ESI/A4/77-78/398.—The following officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names :—

- | | |
|-------------------------------|------------|
| (1) Shri K. Krishna Murthy | (2) 1-6-77 |
| (2) Shri T. C. Krishna Murthy | 1-7-77 |

S. C. BANERJEE
Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
(DEFENCE SERVICE)

New Delhi, the 12th August 1977

No. 2427/A.Admn./130/77.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to the under-mentioned officiating Audit Officers in a substantive capacity in the same post, from the dates indicated against each:—

Sl. No.	Name S/Shri	Date
1.	M. S. Sundarajan	13-4-76
2.	Y. Sankaran	16-6-76

K. B. DAS BHOWMIK
Sr. Dy. Director of Audit
Defence Services

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 2nd August 1977

No. CER/6/77.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58, dated 7th March, 1958.

In the Table appended to the said Notification is the column 2, for the existing entries against S. No. 3, the following shall be substituted :—

- (i) Joint Director of Industries.
- (ii) Research Officer.
- (iii) Deputy Director of Industries.
- (iv) Asstt. Director of Industries/Industry Officers.
- (v) Inspector Industries
- (vi) Sub-Inspector of Industries.
By whatever designations they are designated.
- (vii) Director, Industries and Labour, Delhi Administration.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 11th August 1977

No. A-1/1(1045).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints S/Shri Ram Kishan and Balbir Singh, Junior Progress Officers in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Assistant Directors (Grade II) on *ad hoc* basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1977.

2. The appointment of S/Shri Ram Kishan and Balbir Singh as Assistant Directors (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

KIRAT SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL
Calcutta-20, the 6th August 1977

No. EI-3(1)/74(.).—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri E. P. Narayanan, Assistant, to officiate in the post of Senior Personal Assistant on an *ad hoc* basis with effect from 8-8-1977 (F.N.).

S. N. BISWAS
Joint Iron & Steel Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 9th August 1977

No. 4248B/3(7)/71(SKM)/19B.—Shri Surendra Kumar Mangla is appointed as Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India on pay minimum in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th July 1977, until further orders.

V. K. S. VARADHAN
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 9th August 1977

No. A19011(21)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri L. G. Laghate, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th June, 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR
Head of Office
Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA
New Delhi-1, the 30th July 1977

No. F.20(c-15)10/74-A.1.—Shri Amiya Prasad Mandal, Offg. Microphotographist has resigned from service in the National Archives of India and has been relieved w.e.f. 30th July 1977 (A.N.).

No. F.11/2-1/75-A.1.—Shri Hari Singh Yadav, Scientific Officer has resigned from service in the National Archives of India and has been relieved with effect from 30th July 1977 (A.N.).

The 12th August 1977

No. F.11-14/76-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Kumari Krishna Chaudhry, Asstt. Archivist Gr.II (General) and Offg. Asstt. Archivist G.I (General) on *ad hoc* basis to the post of Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 11-8-77 (F.N.) until further orders.

The 16th August 1977

No. F.11-14/76-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri S. K. Khatri, Asstt. Archivist Gr. I (General) to the post of Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 11-8-77 (F.N.) until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO
New Delhi, the 11th August 1977

No. 4/42/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajeev Lakman Gokhale as Programme Executive, All India Radio Pune in a temporary capacity with effect from 27th July, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
New Delhi, the 10th August 1977

No. C. 14013/1/77-SI.—In exercise of the powers conferred by Rule 19(ii) of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, Shri P. C. Kapur, Deputy Director General (Stores) dismissed Shri Vasudevan Nair, Senior Packer in the Government Medical Stores Depot, Karnal from service *vide* Order No. C.140/13/6/77-AV dated 4th June, 1977.

SANGAT SINGH
Dy. Director, Admn. (Stores)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 8th August 1977

No. A.12023/4/77(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kumari Veena Mehdiratta to the post of Senior Dietician (Home Economist), Directorate General of Health Services on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 7th April, 1977 to the 21st July, 1977 vice Smt. Lily Madhok on leave.

2. Kumari Veena Mehdiratta relinquished charge of the post of Senior Dietician (Home Economist), Directorate General of Health Services, on the afternoon of 21st July, 1977.

S. P. JINDAL
Deputy Director, Administration (O&M)

New Delhi, the 10th August 1977

No. 9-34/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Urmila Gautam to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, 2-Patliputra Colony on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23rd July, 1977 till further orders.

No. A.11017/1/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Madhavan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, at Nagpur on temporary basis with effect from the forenoon of 8th July, 1977.

Dr. R. K. Pillai, Ayurvedic Physician (*ad hoc*) was relieved of his duties from the forenoon of 8th July, 1977.

No. A. 11017/1/76-CGHS.L.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) A. M. Joshi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme at Nagpur on temporary basis with effect from the forenoon of 14th July, 1977.

2. Dr. (Mrs.) Urmila Gautam, Ayurvedic Physician (*ad hoc*) relinquished charge of her post from the forenoon of 4th July, 1977.

N. S. BHATIA
Dy. Director Admin. (CGHS)

NATIONAL FOREST RESOURCES SURVEY

Dehra Dun, the 11th August 1977

No. 14-39/74-Adm.—Shri Maisnam Modhuchandra Singh, Assistant Conservator of Forests, Government of Manipur (Forest Department) is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Preinvestment Survey of Forest Resources, Bhutan, Sarbang with effect from 18-7-1977 (F.N.), until further orders.

ROMESH CHANDRA
Chief Coordinator

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 17th June 1977

Ref. 5/1/77/Estt. II/2295.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate as Assistant Personnel Officer for the periods shown against their names :—

Sr. Name & Designation No.	Period		Remarks				
	From	To	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Shri							
1. Anant Kashinath Katre, Assistant	18-3-77	30-4-77	Vice Shri H.J. Majmundar, A PO granted leave.				
2. M. K. Surendra Rao, U.D.C.	25-4-77	27-5-77	Vice Shri J. Ramamurti, A PO granted leave.				
3. Mukundchandra Sunderlal Bhatt, Assistant	2-5-77	4-6-77	Vice Shri P. P. Pai, AAO granted leave.				

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
4. Dattatray Shankar Ingle, Assistant		4-5-77	10-6-77	Vice Shri P. Sukumaran, APO granted leave.
5. K. R. Chandran Pillai, Assistant		21-3-77	13-5-77	Vice Shri C. G. Sukumaran, APO granted leave.

The 1st April 1977

Ref. R/1031/Civil ED/Estd.II/1252.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Gobichettipalayam Ramanathan Ramachandran, SO/Engineer SB, with effect from 27-1-1977 AN.

Shri Ramachandran relinquished charge of his post on 27-1-1977 AN and was granted Terminal leave (Terminal benefit) for 34 days from 28-1-1977 to 2-3-1977.

M. K. S. SUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 30th June 1977

No. 5/1/77/Estd.II/2736.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. K. Madhava Kurup officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from 27-1-1977 to 6-3-1977.

No. 5/1/77/Estd.II/2737.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V. D. Tillu, officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from 6-12-1976 to 6-1-1977 vice Shri P. Mukundan, Assistant Personnel Officer granted leave.

This supersedes this Research Centre notification of even No. 502, dated 7-2-1977.

The 13th July 1977

No. K/947/Estd.II/2993.—Shri M. G. Karnik, a permanent Upper Division Clerk who was officiating as Assistant Personnel Officer, in the Bhabha Atomic Research Centre retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th June 1977 on attaining the age of superannuation viz. 58 years.

The 26th July 1977

Ref. 5/1/77/Estd. II/3156.—The Controller, Bhabha Atomic Research centre appoints the undermentioned officials to officiate as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sr. Name & Designation No.	Period		Remarks	
	From	To		
S/Shri				
1. J. V. Naik, Assistant	4-5-77	2-7-77	Vice Shri A. A. Naik APO granted leave.	
2. B. V. Bhagunde, Assistant	16-5-77	24-6-77	Vice Shri N. L. Venkateswaran. AO-II promoted.	
3. K. M. Nair, Stenographer(Sr.)	16-5-77	24-6-77	Vice Shri C. V. Pendse, APO granted leave.	
R. Desikachari, Stenographer(Sr.)	30-5-77	8-7-77	Vice Shri T.S. Parameswaran APO granted leave.	
5. S.T. Ochani, U.D.C.	29-10-76	15-1-77	Vice Shri P.V. Pamanani, APO, granted leave.	

The 27th July 1977

No. 5/1/77/Estd.II/3184.—In continuation of this Division notification of even No. /284, dated 20-1-1977, Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri G. L. Shrivastava, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre on ad hoc basis for further period from 25-1-1977 to 25-2-1977.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 22nd July 1977

No. PPED/3(282)/76-Adm.10120.—In supersession of this Division's notification of even number dated April 1, 1977, Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri M. Srinivasan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of March 19, 1977 until further orders.

G. L. GARGA
Chief Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 25th July 1977

No. RAPP/Recrt./7(2)/77/692.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. C. Gupta, a permanent Upper Division Clerk of Power Projects Engineering Division and an officiating Assistant Accountant of RAPP to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Project with effect from the forenoon of 3-6-1977 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th July 1977

No. A.31016/3/77-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. C. Jouhar in a substantive capacity in the grade of Administrative Officer in the Civil Aviation Department with effect from 1-7-1977.

V. V. JOHRI
Asstt. Director (Admn.)
for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th August 1977

No. 1/358/77-Est.—Shri V. J. Mani, Technical Assistant, Bombay Branch, has been appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity, purely on ad-hoc basis, in the same Branch, with effect from the forenoon of 11th July 1977, and until further orders.

No. 1/431/77-EST.—Shri R. K. Anand, Technical Assistant, New Delhi Branch, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad-hoc basis in the same Branch, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977, and until further orders.

No. 1/432/77-EST.—Shri Rajinder Singh, Technical Assistant, Dehra Dun (who was appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th May, 1977 in the same Branch, against a leave vacancy), has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad-hoc basis, in the same Branch, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977 and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

Bombay, the 8th August 1977

No. 1/407/77-EST.—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Saha Senior Foreman, Calcutta Branch, as Chief Mechanician, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 11-4-77 to 8-7-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer,
for Director General

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 9th July 1977

No. 33/12/73-EC.IX/27/50/76-EC.IX.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Ganguli, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1100/- P.M. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) with effect from 12-7-77 FN on the usual tenor and conditions.

2. Shri Ganguli is placed on probation for period of two years with effect from 12-7-77 FN.

D. P. OHRI
Dy. Director of Administration

EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 9th August 77

No. AC-190/PO/Pt.I.—Shri R. K. Das, Officiating Senior Personnel Officer (Welfare)/Calcutta is confirmed in class II service as Asstt. Personnel Officer with effect from 1.11.75.

V. C. A. PODMANABHAN
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

NOTICE Under Section 445 (2)

In the matter of the Companies Act 1956 M/S. Poly Steels (India) Ltd.

Ahmedabad, the 11th August 1977

No. 1678/Liquidation.—By an order dated 1-7-1977 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 31 of 1975, it has been ordered to wind up M/s. Poly Steels (India) Ltd..

J. G. GATHA
Registrar of Companies,
Gujarat.

Company Petition No. 9 of 1976
In the matter of E.M.C. Works Ltd.

Kanpur, the 9th August 1977

NOTICE

No. 1383-Liqn.—By an order dated 18.5.1977 in Company Petition No. 9 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad, it has been ordered to wind up E.M.C. Works Ltd., Kanpur and the Official Liquidator, U.P., Allahabad has been appointed its official liquidator.

R. K. LAL
Asstt. Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jenkinson and Parekh (I) P. Ltd*

Bombay-2, the 5th August 1977

No. 13221/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jenkinson and Parekh (India) P. Ltd has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Medicate Service (P) Ltd.,*

Bombay-2, the 5th August 1977

No. 13286/560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Medicate Service (P) Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Parekh Dyeing and Printing works P. Ltd.*

Bombay-2, the 5th August 1977

No. 14988/560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Parekh Dyeing and Printing works P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Marudhar Udyog Sampada Ltd., Rajendra Nagar Tikhi
(Rajasthan)*

Jaipur, the 9th August 1977

No. STAT/1207.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Marudhar Udyog Sampada Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Minsararasam Company Private Limited*

Madras-600006, the 10th August 1977

No. DN/1697/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Minsararasam Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies,
Tamilnadu.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. British India Steam Navigation Co. (India) Pvt, Ltd.*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 7889/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the British India Steam Navigation Co. (India) Pvt. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*" In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Bhairab Engineering Industries Private Limited."*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 26342/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bhairab Engineering Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*" In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. K. S. Electronics Private Limited."*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 28431/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the K. S. Electronics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*" In the Matter of Companies Act, 1956 and of
The Saddles (India) Private Limited."*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 29742/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Saddles (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies.
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
National Syndicate (Assam) Private Limited.*

Gauhati, the 12th August 1977

No. 791/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of National Syndicate (Assam) Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 10th August 1977

Ref. No. AP-28/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As Per Schedule situated at V. Koharwala (FDK) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on 13-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Basant Singh S/o Shri Gurdial Singh, V. Kohar Wala, Teh. & Distt. Faridkot,

(Transferor)

(2) Ch. Bhag Singh s/o Sh. Sunder Singh, R/o Koharwala, Teh. & Distt. Faridkot (Pb).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals in village Kohar Wala as mentioned in the Registration deed No. 938 dated 13-6-1977.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS(1) Smt. Darshna Kumari d/o Sh. Amit Lal,
Nawan Sahar.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Dr. Mohinder Kumar Saini, s/o
Shri Hari Chand, Railway Road,
Nawan Sahar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th August 1977

Ref No. A.P. 21/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Scheduled situated at Nawan Sahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Sahar on 24-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(3) As per S. No. 2,
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of plot measuring 2 Kanals in Nawan Shahar as mentioned in registration deed No. 4172 dated 24-1-1977.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhatinda.

Date : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Rev. Fr. S. Maria Ratnam,
General Procurator,
Jesuit Madurai Province,
St. Mary's, Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Vijayaraghunatha Thondaman,
Kodaikanal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th August 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 40/DEC/76-77.—Whereas I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 231, situated at Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal (Doc. No. 534/76) on December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 50 acres and 34 cents with buildings thereon at survey No. 231, Kodaikanal.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.
(Incharge)

Date : 11-8-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mrs. M. A. Raheela Bi,
W/o. Shri P. Sheik Dawood,
39, Venkatesa Gramani Street,
Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) 1. Shri Munawar Hussain
2. Shri Manzoor Hussain
3. Shri Nazeer Hussain
4. Nazeema
5. Shameena } minors by mother and
 } guardian Smt. M. A.
 Zubia Bivi.
No. 5-A, Pakkupettai, Urayur, Trichy-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 29/DEC/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Venkatesa Gramani Street, Chintadripet, Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 957/76) on 20-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1,410 sq. ft. with building thereon at door No. 39, Venkatesa Gramani Street, Chintadripet, Madras-2.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.
(Incharge)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-8-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. M. Jambulingam,
No. 17, First Main Road,
United India Colony,
Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) M/s. Tyebali & Sons,
No. 307, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. General Engineering Stores
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 30/DEC/76-77.—Whereas I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 303, situated at Linghi Chetty Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4691/76) on December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor of building bearing door No. 303 (R. S. No. 4395), Linghi Chetty Street, Madras-1 with undivided half share in land measuring 2,356 sft.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.
(Incharge)

Date : 12-8-1977
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri P. M. Umapathy,
No. 17, First Main Road,
United India Colony,
Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) M/s. Tyebali & Sons,
No. 307, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

(3) M/s. General Engineering Stores
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 31/DEC/76-77.—Whereas I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 303 situated at Linghi Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4692/76) in December 1976,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor of building bearing door No. 303 (R. S. No. 4395), Linghi Chetty Street, Madras-1 with undivided half share in land measuring 2,356 sft.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.
(Incharge)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1977
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Madras-6. The 16th August 1977

Ref. No. 45/DEC/76-77.—Whereas, I K. PONNON being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 362/1 & 2 situated at Karungattankulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chinnamanur (Doc. No. 2189/76) on 22-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Avadai Ammal, W/o, late Muthiah Thevar,
Shri M. Bose S/o —do—
Shri M. Pandian S/o —do—
Smt. Pechi Ammal, W/o, Shri Suruli
Miss Saraswathi, minors by mother and guardian
Shri Paramasivam Smt. Avadai Ammal.
Otha Veedu, Karunkattankulam.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. Baskaran, sons of
2. S. Z. Sureshkumar, Shri M. M. G. Arunachalam
North Car Street,
Ward No. III, Chinnamanur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8 acres and 72 cents in survey Nos. 362/2 (6.60 acres) and 362/1 (2.16 acres) with well and motor pumpset at Karunkattankulam village, Chinnamanur.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.
(Incharge).

Date : 16-8-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th August 1977

Ref. No. 8/DEC/76-77.—Whereas I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing
No. 2486 & 2489/1, 2, 3, 4A & B, situated at Visalakshipuram, Thallakulam, Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thallakulam (Doc. No. 2430/76) in December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—226GI/76

(1) Smt. Uma Ammal,
W/o. Shri S. Muthusamy,
No. 242, Srinagar Colony,
Saidapet, Madras.

(Transferor)

(2) Shri K. Raman,
Manager, Canara Bank,
Moorthy Baugh Branch,
New Delhi-110022.

(Transferee)

(3) Shri D. V. Rao
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 2 grounds with building thereon at T. S. Nos. 2486 4 & 5 and 2487/1, 2, 3, 4A & 4B, Visalakshipuram, Thallakulam, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-8-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th August 1977

Ref. No. 32/DEC/76-77.—Whereas I, K. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35, situated at Angappa Naicken Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4715/76) on 27-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Saifuddin Dawoodbhui, and Smt Kulra Bai
No. 35, Angappa Naicken Street,
Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Sakinabai Saifuddin &
Mrs. Sheerinbai,
No. 35, Angappa Naicken Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Darshak Ltd.,
2. Shabbir A. Lodghar
3. Shabbir M. A. Haji
4. Kulumbai
5. Shabbir Saifuddin

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided half share in land measuring 2,007 sq. ft. with building thereon at door No. 35, Angappa Naicken Street, (R. S. No. 4441), Madras-1.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-8-1977
Seal T

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

(1) Dr. U. Vasudeva Rau,
No. 323-24, Thambu Chetty Street,
Madras-1.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kul Bhushan,
2. Shri Ruj Bhushan,
3. Shri Chandar Bhushan,
4. Mrs. Kantha Kumari,
No. 33, Mukur Nallamuthu Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Chandra Agencies
2. P. Kanniah & Co.,
3. Diesels & Tractors
4. Sri Ramakrishna Corporation
5. Central Bank of India

[Person in occupation of the property]

Madras-6, the 17th August 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 15/DEC/76-77.—Whereas I, RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, 8 & 9, situated at Errabalu Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4538/76) on December, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground 195 sq. ft. with building thereon at door No. 7, 8 & 9, Errabalu Chetty Street and 324, Thambu Chetty Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.
(Incharge).

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. M. C. S. Azeema Sultan Beevi
By Power Agent Shri Mohamed Mohidcen,
Shri Nurul Ameen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. Javid Hussain
minor by guardian Shri K. V.M. Abdul Karim,
West Street, Keelakarai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 17th August 1977

Ref. No. 39/DPC/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 218 & 219, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keelakarai (Doc. No. 1708/76) on 31-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 acres and 50 cents in survey Nos. 218 (6.41 acres) and 219 (4.09 acres) in Noorsirangur village, Ramnad district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1977

Ref. No. 46/DFC/76-77.—Whereas I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 447/1, situated at Kanthaparaisekaran, Sengottai, Tirunelveli district
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shencottai (Doc. No. 2482/76) on 16-12-1976
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri /Smt.
 (1) 1. Periasamy Chinnanjanja Pandian,
 2. Suaswathji Thai, W/o Pandian
 3. Velladurai,
 4. Chelladurai,
 5. Karthiyayini (minor) by guardian Sl. No. 1.
 (Transferor)

(2) Smt. Janaki Ammal,
 W/o Shri S. Murugiah Mudaliar,
 Kulasekarapuram, Shencottah.
 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 80 cents at survey No. 447/1, Kanthanparaisekaram, Shencottah, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.
(Incharge).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Geetha Silk and Saree Bazaar, N.S.B. Road, Trichy.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Geetha Silkot P. Ltd. N.S.B. Road, Trichy.
(Transferee) -

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1977

Ref. No. 3763/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 and 32 situated at N.S.B. Road, Trichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSAR III Trichy (Doc. No. 2197/76) on 4-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 31 and 32, N.S.B. Road, Trichy (Doc. No. 2197/76).

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 16-8-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Kandasamy
Prop: Lalitha Emporium 45-A, Jawaharlal Nehru
St. Pondicherry.
(Transferor)

(2) Smt. Payol Marie Josceth 3/49 St. Francis Xavier
St. Nethaji Nagar, Pondicherry.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 9th August 1977

Ref. No. F.3757/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, Kamaraj Nagar, situated at Pondicherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1589/76) on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 8, Kamraj Nagar, Pondicherry.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1977

Ref. No. F.4177/76-77.—Whereas, I. K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 281/1, 281/2, 281/4, 500/6, 315/3 and 495/3 situated at Arvind Farms, Glenmorgan, Sholar village, Nilgiris (28.35 Acres), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ootacamund (Ooc. No. 1426/76) on 22-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mr. P. N. Amersey, M/s. Miltours Ltd. Mathuradas Mills' Compound, N. M. Joshi Marg, Lower Parel, Bombay.
- (2) Mr. L. S. Kumar, Parkside Estate, Coonoor, Nilgiris.
(Transferor)
- (2) Messrs. T. R. Subramaniam; T. R. Ramachandran; and T. R. Ragupathy, Ivy Cottage, New Agraharam, Ootacamund.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

<i>R. S. Nos.</i>	<i>Extent</i>
281/1	18.41
281/2	0.04
281/4	6.62
500/6	1.82
315/3	0.65
495/3	0.81
<hr/>	
28.35 Acres	

Arvind Farms, Glenmorgan, Sholar Village, Nilgiris.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 16 8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. L. Balakrishna Naidu, No. 74 Avanasi Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Surya Kumari W/o Shri Surya Kumar, Pushpavanam, Puthur, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.4178/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. Nos. 1399/1, 199/2 and 1400 part, situated at Avanasi Road, Coimbatore (39 Cents and 66 Sft.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ty. JSR Coimbatore (Doc. No. 3011/76) on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 39 Cents and 66 Sft. (with Asbestos Sheet shed, Well and Motor) bearing T.S. Nos. 1399/1, 1399/2 and 1400 Part situated at Avanasi Road, Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
13—226GI/77

Date : 16-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. N. Prema W/o Shri C. B. Nonjappa Gowder
16/23 Okkilar St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. F. 4183/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 350 and 363 situated at Othakalmandapam village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kinathukadavu (Doc. No. 716) on 20-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri R. Rajagopalan S/o Shri M. Ramasami Gowder
11/57 Railway Station Road, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13.41 Acres of land bearing S. Nos. 350 and 363 situated at Othakalmandapam village,

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-8-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras 6, the 10th August 1977

Ref. No. 5388/76 77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61 Bells Road, situated at Triplicane, Madras-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Madras) (Doc. No. 558/76) on 9-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Jayaraman,
Shri Mohan (Minor) and
Shri Ravi (Minor).
(Minors represented by father and natural guardian
Shri R. Jayaraman).
No. 61 Bells Road, Madras-5.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Abdul Kareem,
No. 5/40 West St. Adivakkamangalam, Tiruvarur
Taluk, Tanjore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1105 sq. ft. (with building) situated at Door No. 61 Bells Road, Chepauk, Triplicane, Madras-5. (R. S. Nos. 2652/2—Present R.S. No. 2652/56).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kumari B. Laxmi Saraswathi, D/o Ramabrahmaiah,
178, Parvathinagar, 3rd Cross, Bellary. (Karnataka
State).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 411.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12/8 (Cinema Talkies) situated at Eluru Road, Gudivada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 3-12-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Boppana Bhoga Narasimha Brahmacharya Rao.
- (2) Shri Boppana Devendra Prasad.
- (3) Shri Boppana Radhakrishna Murty.
- (4) Smt. Maganti Laxmi.
- (5) Shri Parvathaneni Brahmaiah, Partners in Sri Gowri Sankar Talkies, Gudivada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3894/76 registered before the Sub-Registrar, Gudivada, During the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 412.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 11-14-37 situated at Kothropeta, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Pamidimarri Venkata Krishna Rao.
 (2) Mr. P. Venkata Naga Suresh Kumar and
 (3) Shri P. Naga Venkata Poornananda Kumar minor by guardian father P. V. Krishna Rao, Opp. to Maruti Talkies, Convent Street, Vijayawada.
- (2) (1) Shri Kalidas Jeevandas Shah.
 (2) Shri Jayendra Kumar Kalidas Shah.
 (3) Smt. Indumati Jayendra Kumar Shah, and
 (4) Mr. Hemantha Kumar Jayendrakumar Shah minor by guardian father Jayendrakumar Kalidas Shah, Gudivadavari Street, Vijayawada-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3275/76 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during fortnight ended on 31-12-1976.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 413.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immoveable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 27-5-7 and 8 situated at Governorpet, Vijayawada,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Vijayawada on 21-12-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) (1) Dr. T. V. G. Krishna Murty, S/o Shri T. V. Chalapati Rao.
(2) Shri T. V. Seshachalapathi,
(3) Shri T. V. A. Subrahmanyam and
(4) Shri T. V. Vijyawada, Minors by guardian Father Shri T. V. G. Krishna Murty,
2-2-647, Central Excise Colony, Bagh Amberpet,
Hyderabad-500013.
- (2) (1) Shri Nalam Subba Rao, S/o Late Alwaru.
(2) Shri N. Radhakrishna Prashad
(3) Shri N. Srimannarayana.
(4) Shri N. Sreenivasu.
(5) Shri N. Venkata Mahesh Kumar, Minors by
guardian Father Sri N. Subba Rao, Gopuvari
Street, Governorpet, Vijayawada-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
3263/76 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during
the Fortnight ended on 31-12-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Puvvada Nageswara Rao, S/o Narasimha Murty
2. Puvvada Laxmi Narasimha Rao, S/o Narasimha Murty, Prakashnagar, Rajahmundry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Tetali Gollareddy, S/o Ramareddi, Anaparti, Ramchandrapuram Tq.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. file No. 414.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 185/3 & 182/1 situated at Madapadu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandapeta on 15-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2477/76 registered before the Sub-Registrar, Mandapeta during the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Bonthu Ramamohana Rao, S/o Govinda Setty and his unnamed two sons minor by guardian Father, Bhatlapalem,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE**

KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 415.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 243/1 situated at Bhatlapalem, Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 1-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Peddireddi Suryanarayana, S/o Subbanna 2. Peddireddi Bangaram, S/o Subbanna, Indupalli Sivar, Bhatlapalem Village, Amalapuram Tq., E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4809/76 registered before the Sub-Registrar, Amalapuram during the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Atluri Ramachandra Rao, Andhra Fancy & Medical Stores, Besant Road, Governorpetta, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Shri Vudatha Sriramulu, S/o Seshagirirao, C/o M/s Seetharama Auto Stores, Tarapeta, Vijayawada-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 416.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-20/1-10A situated at Seetharampuram, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 20-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—226G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3253/76 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the Fortnight ended on 3-12-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suryadevara Basavaiah, S/o Seethaiah, C/o Asst. Director of Agriculture, Gandhinagar, Kakinada.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Atluri Ramachandra Rao, C/o Andhra Fancy Stores, Governorpet, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kakinada, the 6th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 417.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36-12-10 situated at Shantinagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 6-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3194/76 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-12-1976.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1977

Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Namala Gannemma, W/o Late Subba Rao, 6/21-9-14, Raja Ram Mohan Roy Street, Kakinada.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 418.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/21-9-14 situated at Raja Ram Mohan Roy Road, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 9-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S. Anantha Rama Rao, S/o Bhoja Rao, Near Madhu Nivas Hotel, Kakinada.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4716/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 419.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 6/21-9-14 situated at Raja Ram Mohan Roy Road, Kakinada, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 9-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Namala Gannemma, W/o Late Subba Rao, 6/21-9-14, Raja Ram Mohan Roy Road, Kakinada.

(Transferor)

(2) Shrimati S. Prabhavati, W/o Anantha Rama Rao, Near Madhu Nivas Hotel, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4717/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Kumari Adireddy Suryakantam, D/o Rama Murty,
Suryabagh, Vizag-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 420.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28-13-8A situated at Suryabagh, Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 10-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 31/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on January 1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 11-8-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 421.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 119/1 & 2 situated at Rustumbada, Narasapuram Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasapuram on 27-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : —

(1) 1. Shri Grandi Venkata Swamy, S/o Late Narayana Rao 2. G. Venkatareddy, S/o Venkata Swamy, Narasapuram.

(Transferor)

(2) Shri Md. Mastan Shariff, S/o Md. Silar, Rustumbada, Narasapuram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3252/76 registered before the Sub-Registrar, Narsapur during the fortnight ended on 31-12-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 11-8-1977

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Pasumarthi Bapi Raju, S/o Venkata Subbarayudu, Gandepalli, Peddapuram Tq.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(2) Shri Punyamurthula Appala Raju alias Raja Babu, 33, Boag Road, Madras-17.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 17th August 1977

Ref. No. Acq. F. No. 422.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS Nos. 302, 330, 304/2, 264, 304/1 & 263 situated at K. Gopalapuram, Jaggampet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jaggampet on 3-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 15/77 registered before the Sub-Registrar, Jaggampeta during the Fortnight ended on 15-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Bipinchandra Bhogilal Patel,
Adjacent to 'Meghalaya' Flats,
Stadium Road, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Vinodkumar Poonjalal Patel; and
(ii) Shri Narendrakumar Poonjalal Patel,
Chhikaniwali Pole, Gomatipur,
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-I-1281(590)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

City Sur. No. 568, Municipal No. 636, situated at Chhikaniwali Pole, Gomatipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The house building bearing City Survey No. 568 and Municipal C. No. 636, admeasuring 81 sq. yds. i.e. sq. metres 67-72-65 situated at Gomatipur, Chhikaniwali Pole, Ahmedabad as described in sale-deed registered under Registration No. 10134/76 in the month of December, 1976 by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ranjitkumar Ambalal,
‘Kusum Niwas’,
Mithakhali, Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-I-1282(591)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 4 situated at Vadaj, Taluka City District, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.
C/o. Shri K. D. Patel,
Mulji Parekhni Pole,
Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 4, admeasuring sq. yards 952, sq. metres 795.98 as described in the sale-deed under Registration No. 9894/76 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
15—226GI/77

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
 HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-I-1283(592)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to relieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 5 situated at Vadaj, Taluka City District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendra Ambalal,
 Power of Attorney Holder,
 Shri Ranjitkumar Ambalal,
 'Kusum Niwas',
 Mithakhali, Ellisbridge,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.
 C/o. Shri K. D. Patel,
 Mulji Parekhni Pole,
 Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 5 admeasuring 952 sq. yards 795-98 sq. metres as described in the sale-deed under Registration 9895 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Ahmedabad.

Date : 17-8-1977
 Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Sailesh Ambalal,
Power of Attorney Holder,
Shri Ranjitkumar Ambalal,
Kusum Niwas,
Mithakhal, Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.
C/o. Shri K. D. Patel,
Mulji Parekhni Pôle,
Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-1-1284(593)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 666-1 Sub-Plot No.1 to 6 Pajki Sub-Plot No. 8 situated at Vadaj, Taluka City District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad leaving S. No. 666-1, Sub-Plot No.1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 8, admeasuring 952 sq. yards i.e. 795-98 sq. metres as described in the sale-deed under Registration No. 9894/76 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. Acq. 23-I-1285(594)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 1 situated at Vadaj, Taluka, City, District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kantaben,
 Wd/o Shri Ambalal Lalloobhai,
 Power of Attorney Holder,
 Shri Ranjitkumar Ambalal,
 'Kusum Niwas',
 Mithakhal, Ellisbridge,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlej Co-op. Housing Society Ltd.,
 C/o. Shri K. D. Patel,
 Mulji Parekhni Pole,
 Vadgam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad, bearing S. No. 666-1, Sub-Plot No 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 1, admeasuring 952 sq. yards 795-98 sq. metres as described in the sale-deed registered under Registration No. 9897 in the month of December, 1976 by the Registering Officer Ahmedabad.

S. C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashwinkumar Ambalal,
Power of Attorney Holder,
Shri Ranjitkumar Ambalal,
'Kusum Niwas',
Mithakali, Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.
C/o. Shri K. D. Patel,
Mulji Parekhni Pole,
Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Acq. 23-I-1286 (095)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 7 situated at Vadaj, Taluka, City, District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad, bearing Survey No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 7 admeasuring 952 sq. yards, i.e. 795-98 sq. metres as described in the sale-deed registered under Registration No. 9898 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-8-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Balubhai Nanjibhai Dodya,
Hazar Place Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1977

Ref. No. Acq.23-I-1248(596)/16-6/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 10 Paiki, Hazur Palace Land situated at Street No. 1, Jayraj Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Zaverilal alias Natwarlal Jamnadas,
Shri Jayantilal Jamnadas,
Add: Soni Bazar, Near Apasara, Rajkot,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 132-6-54 sq. yds. bearing Plot No. 10 Paiki, Hazur Palace land, situated at Street No. 1, Jayraj Plot, Rajkot as fully described in the sale-deed registered vide registration No. 2856 dated December, 1976, by the Registering Officer, Rajkot.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

FORM ITNS

(1) Shri Abdulsamad Abdullaibhai Narmawala,
Kalupur, Sodagarni Pole, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Mahamadsafi Fakir Mahamad,
2. Shri Usmanbhai Fakir Mahamad,
Hawawala, Gali No. 4, Sodagarni Pole,
Kalupur, Ahmedabad.
(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 300 sq. yds. bearing S. No. 3735 of Kalupur Ward No. 1, Ahmedabad and as fully described in the sale deed vide Regn. No. 10034 dated 9-12-1976 registered by the Registering Officer, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1977

Ref. No. RAC. No. 64/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. 1-4-71/3 situated at Sharbati Nala Bodhan Nizamabad
Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nizamabad on 7-12-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Bhikul Agarwal,
S/o Shri Ram Kumar Gupta,
residing at Shivaji Bhavan,
Kishangunj, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Gupta,
S/o Shri Ram Kumar Gupta,
C/o Ramesh Talkies,
H. No. 1-4-71/3 Bodhan,
Nizamabad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3360 Sq. Yds. bearing Municipal No. 1-4-71/3 situated at Sharbati-Nala, Bodhan, Nizamabad Dist. registered vide Doc. No. 2398/76 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

Boundaries :

North : Hanuman Talkies.
South : Meat Market,
East : Municipal land.
West : Municipal Road.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 65/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-522 situated at Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—226GI/77

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
W/o Shri Sharuddin Khan,
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,
Hyderabad.

(2) The Universal Co-operative House Construction Society, Ltd., at Chiragali lane, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-522/2 total area, 169.22 Sq. Mts. situated at Mukarabjung lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2317/76 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Fakruunnisa Begum,
H. No. 5-8-522 at Mukrabjung lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Universal Co-operative House Construction
Society, Ltd., H. No. 5-8-521 at Chiragali lane,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 66/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 5-8-522 situated at Mukrabgunj lane, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
J.S.R. Hyderabad on December 1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-522 situated at Mukrabghung lane,
Hyderabad total area, 338.52 Sq. Mts. registered vide Doc.
No. 2318/76 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyder-
abd.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Seal :
Date : 12-8-1977

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 67/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-522/1 situated at Chiragali lane Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Universal Co-operative House Construction Society, Ltd., at Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDE

House bearing M. No. 5-8-522/1 situated at Mukarabjung lane, Hyderabad total area 163-3 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 2319/76 in the Office of the Joint Sub-registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 68/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-8-518, 519 situated at Mukarabgunj lane, Hyderabad,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
J.S.R. Hyderabad on December 1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
H. No. 5-8-522 at Mukarabgunj lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Taramani,
W/o Shri Giriraj Goyal,
H. No. 5-3-1053 situated at Shankar bagh,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-518 and 519 situated at Mukarab-
jung lane, Hyderabad, comprising 194.77 Sq. Yds. registered
vide Doc. No. 2320/76 in the office of the Joint Sub-Registrar
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Taramani,
W/o Shri Giriraj Goyal,
H. No. 5-3-1053 situated at Shankar bagh,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 69/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
No. 5-8-520, 520/1 & 520/2 situated at Mukarabjung, lane
Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at J.S.R. Hyderabad on December 1976,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three garages bearing M. No. 5-8-520, 520/1, 520/2
situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad, comprising 130.19
Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2324/76 in the office of the
Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 12-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
W/o Shri Sharfuddin Khan,
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

(2) Smt. Taramani,
W/o Shri Giriraj Goyal,
H. No. 5-3-1053 situated at Shankar bagh,
Hyderabad.

(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 70/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-8-521 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-521 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2322/76 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 71/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5-8-525 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Bai,
W/o Shri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-525 situated at Mukarabjung Lane, Hyderabad comprising 236.00 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 2321/76 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-8-1977
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 72/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-524 situated at Mukarabjung, Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
W/o Shri Sharfuddin Khan,
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Bai,
W/o Shri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House bearing M. No. 5-8-524 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad, comprising 225.33 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2323/76 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1977
Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 73/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-523 situated at Mukarabjung, Jane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—226GI/77

(2) Smt. Lakshmi Bai,
W/o Shri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-523 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad comprising 185.64 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 2325/76 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1977

Ref. No. RAC No. 74/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dry land, S. No. 11/2 situated at Akkaram pally, Chendragiri-Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathy, on 10-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Adem, Narayamma,
W/o Shri Muniswamy Reddy,
2. Adem Siddamma,
W/o Chenchu Ramireddy,
3. Adem Raghu Ramireddy,
all three residing at Akrampally,
Post, Chendragiri-Tq. Chittoor-Dist.
(Transferor)
- (2) Smt. Mudugupally, Padmayathamma,
W/o Narsimhaloo Naidu,
R/o Damara, Street, Thirumala-post Thirupathy.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 11/2 situated at Akrampally, Chendragiri-Tq. Chittoor-Dist. total area 22 Acrs. registered vide Document No. 3825/76 in the Office of the Sub-Registrar Thirupathy.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) K. V. L. Narasibhulu Chetty,
R/o Bacherao Street, Cuddapah.

(Transferor)

(2) Amarawamy Ramesh Babu,
S/o Subbaraidu,
R/o Y. V. Street, Cuddapah.

(Transferee)

*(3) 1. Bata Shoe, Co.,
2. Sudarshan Chit Fund,
3. Dawood Tailer,
all residing at H. No. 13/482/H, and 13/483
at Y.V. Street, Cuddapah.

(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC No. 75/77-78.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 13/482/H, 13/483 situated at Y.V. Street, Cuddapah.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Cuddapah on 16-12-1976
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Door Nos. 13/482/H, and 13/483 at Y.V. Street, Cud-
dapah, registered vide Document No. 5780/76 in the Office
of the Sub-Registrar Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 16-8-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1977

- (1) 1. Iqbal Hussain,
2. Ahdaz Hussain,
3. Saad Hussain,
4. Khaleequnnisa Begum,
5. Laiqunnisa Begum,
6. Rafecqunnisa Begum,
all 6 residing at H. No. 21-2-640 at
Urdu Shareef, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mali Ram,
S/o Sagar Mal and
Sri Ramesh Chand,
S/o Sagarmal,
both residing at H. No. 2-2-769
at Urdu Shareef, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC No. 76/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21-2-639, 640 situated at Urdu Shareef, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli, on 1-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building M. No. 21-2-639 and 640 situated at Urdu Shareef (Hyderabad, comprising 432.85 Sq. Yards, registered vide Doc. No. 553/76 in the Office of the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th August 1977

Ref. No. 124-A/Acq/Merut/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Merut on 8-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Natthu
S/o Shri Ram Niwas,
R/o Vill. Jajokhar P.O. Khas, Parg. & Teh. and
Dist. Meerut.
(Transferor)

(2) S/Shri Karan Singh, Magan Singh, Prem Singh,
S/o Shri Umrao Singh,
R/o Vill. Jajokhar, P.O. Khas,
Dist. Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agrl. land measuring 7 Bighas, 2 Biswa and 19 Biswansi, situated at Vill. Jajokhar, Teh. & parg. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 42,885/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-8-1977

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Veerpal Singh S/o Devi Singh R/o Village Chiraudi, Parg. Daurala, Teh. Sardhana, Distt Meerut, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th August 1977

Ref. No. 122-A/Acq/Meerut/77-78.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Sardhana on 31-1-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

2. Shri Gopi Chand, Brahm Singh, sons of Mamraj, Residents of Village Chiraudi, Parg. Daurala, Teh. Sardhana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property consisting of agricultural land measuring about 12 Bighas, situated at Village Chiraudi, Teh. Sardhana, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 18,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Shri Rangappa S/o Doddathimanna,
(2) Shri Krishnappa S/o Rangappa,
(3) Shri Rangappa Minor Guardian by Grand
father Shri Mahaingappa,
All resident of Kallahalli Village, Hiriyur
Taluk, Dist. Chitradurga.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 11th August 1977

No. 189/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old Khata No. 1494 and New Khata No. 9102 site No. 353, situated at 5th Block, Chitradurga Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chitradurga, under Document No. 1136 on 5-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Shri T. G. Rajashekharappa S/o G. Iswar, Kukibai village, Hireguntanur Hobli, Chitradurga Taluka, Now as Assistant Engineer, K.E.B., Hosadurga (Distt. Chitradurga).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open space and building situated at Venkateshpura 5th Block, Chitradurga Town, bearing old khata No. 1494 and new khata No. 9102, site No. 353.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 11-8-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. P. Padmanabhaiah S/o H. P. Paswanathaiah
K. R. Puram, Northern Extension, Hassan.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. H. R. Kasturibai W/o H. S. Ravikumar
Subhas Chowk, Hassan.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th August 1977

No. 187/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 170/A, situated on the way of Railway Station Road, Hassan City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hassan, under Document No. 4390 on 1-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consists of house and open space situated on the way of Railway Station Road, Hassan bearing Municipal No. 170/A.

Plinth area of the Building :

$60' \times 35' = 2100$ sq. ft. 50 per cent share.

Open site :

$60' \times 132' = 7320$ sq. ft. 50 per cent share.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 4-8-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. P. Jayaraj S/o H. P. Pawanathaiah,
Northern Extension, Hassan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th August 1977

No. 188/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 170, situated on the way of Railway Station Road, Hassan City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hassan, under Document No. 4393 on 1-12-1976, for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—026GI/77

(2) Shri H. R. Sanjay S/o H. S. Ravikumar, Subhas Chowk, Hassan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consists of house and open space situated on the way of Railway Station Road, Hassan bearing Municipal No. 170.

Plinth area of the building :

60' < 35' = 2100 sq. ft. 50 per cent share.

Open site :

60' > 132' = 7320 sq. ft. 50 per cent share.

D. C. RAJAGOPALAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Dharwar.

Dated : 6-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. C. M. Thacore and Smt. Josephine Thacore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) India Every Home Crusade.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Dr. C. M. Thacore and Smt. Josephine Thacore.
(Person in occupation of the property).

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 11th August 1977

Ref. No. 11-I/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 Bishop Rockey Street, Faizabad Road, Lucknow situated at 3-Bishop Rockey Street, Faizabad Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-12-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

A double storeyed house measuring 13990 Sq. fts. situated at 3, Bishop Rockey Street, Faizabad Road, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramkrishna Dawn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit Kumar Dawn.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 3rd August 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-5/R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 86, 292, 253, 538, situated at Islaband, Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Burdwan on 15-12-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mouza Islabad, P. S. and District Burdwan, Khata Nos. 86, 292, 253, 538 plot Nos. 31, 33, 34, 35, 36, 37, 103, 104, 105, containing 4.53 acres of land and building, Rice Mill etc. thereon as mentioned in the deed no. 9468 of 1976, Dist. Sub-Registrar, Burdwan.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. United Industries (Cochin) Ltd, Cochin-5.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 9th August 1977

Ref. No. L.C. 145/77-78.—Whereas, J. C. P. A. VASUDEVAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Rameswaram and Mattancherry villages, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 14-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. International Fisheries Ltd, Bombay-23.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 acre 25 293/500 cents in Sy. No. 569/5, 570, 571, 1446/1 and 2 and 1166 of Rameswaram village, Cochin taluk.

15 cents 40 sq. links in Sy. No. 774/2, 774/3, 775/3, 1305 and 1308 of Mattancherry village, Cochin taluk with building—vide Schedule to Document No. 3021/76.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 9-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sindro d/o Shri Tara Singh,
R/o village and P.O. Gurdas Nangal.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagir Singh and Kashmir Singh S/o Shri Teja
Singh of village Gurdas Nangal.

(Transferee)

(3) As at S. No. above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 36Ks. situated at 1 K.M. from village
Japuwal on west side as mentioned in the registered deed
No. 7035 of February 1977 of Registering Authority,
Gurdaspur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. GSP/17/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at village Jogi Cheema, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in February 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

- (1) Shri Tara Singh S/o Shri Santa Singh, Village, Jogi Cheema.
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Lal S/o Shri Munshi Ram of Qadian.
(Transferee)
- (3) As at S. No. above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 46Ks. 9Ms. situated at Village Jogi Cheema as mentioned in the registered deed no. 6569 of February 1977 of Registering Authority, Gurdaspur.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. ASR/19/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops and land situated at Katra Sher Singh Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in Dec. 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Rattan Chand, R/o G. T. Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Manoharwati Shri Jatinder Nath Puri, Mrs. Jyoti Puri Shri Brahm Nath Puri, Katra Sher Singh, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops and land at Katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the registered deed no. 1169 of December 1976 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Shri Jagat Inder Singh s/o Shri Gurdial Singh
R/o 35, Model Town, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sham Dass s/o Shri Ishar Dass Shri Kewal
Krishan S/o Shri Sham Dass, 35, Model Town,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. ASR/18/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 35 situated at Model Town Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at City Amritsar in Dec. 1976,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

THE SCHEDULEKothi No. 35 Model Town, Amritsar as mentioned in the
Registered deed No. 1171 of December 1976 of Registering
Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1)

(1) Shri Krishan Kishore S/o Shri Dina Nath,
R/o Katra Khazana, Amritsar.

(Transferee)

(2) S/Shri Harish Kumar and Ramesh Kumar S/o Shri
Hans Raj and Shri Hans Raj S/o Shri Mani Ram
R/o Katra Hari Singh BZ. Babianwala, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. ASR/15/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 71 situated at Joshi Colony, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in Dec. 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—226GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 71 Joshi Colony, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1095 of December 1976 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL**

Bhopal, the 11th August 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/880.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (i) Corp. No. B-3/98, B-98/A, B-3/98-B, B-3/132 and B-3/133 in Mohalla Shivala, Varanasi, (ii) All that Kachcha House (Mud Built), covered with tiles alongwith (Bari) Garden Bearing KH. No. 940/3 measuring 0.28 decimals in Village Menora, Jashpur P.C. No. 45, R.I.C. Jashpur, Distt. Raigarh (M.P.) situated at Varanasi and Raigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raigarh on 3-1-1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maharaja Kumar Dilip Singh Deo S/o Maharaja Vijay Bhushan Singh Deo of Jashpur.
- (2) Maharaja Vijay Bhushan Singh Deo of Jashpur self and as guardian of,
- (3) Yuvraj Ran Vijay Pratap Singh Deo.
- (4) Rajkumar Vikramaditya Singh Deo S/o Late Yuvraj Upendra Singh Deo.
- (5) Kumari Mrinalini Singh Deo D/o Late Yuvraj Upendra Singh Deo, All R/o Jashpur Nagar, Distt. Raigarh (M.P.).

(Transferor)

- (2) M/s Shashikant Shantu Bhai Patel and Co., a Partnership Firm situated at Mohalla Raja Darwaza Varanasi Through its Partners 1. Shri Pannalal Patel, 2. Shri Jash Bhai Patel, 3. Shri Kanti Bhai Patel, 4. Shri Shantu Bhai Patel, All major sons of Shri Chhota Bhai Patel, Residing at Bramhapuri, Choukhamba, Varanasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (i) Corporation No. B-3/98, B-98/A, B-3/98-B, B-3/132 and B-3/133 in Mohalla Shivala, Varanasi.
- (ii) All that Kuchcha House (Mud Built) covered with tiles alongwith (Bari) Garden, Berink Kha, No. 940/3 measuring 0.28 decimals in village-Manora, Jashpur P.C. No. 45, R.I.C. Jashpur, Distt-Raigarh (M.P.).

R. K. BALI,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. R. K. Puri and M/s. Kwality Farm, Aundh,
Poona-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411 004. (the 11th August 1977

Ref. No. CA/5/Feb. '77/Haveli-II/336/77-78.—Whereas, I. Smt. P. LALWANI, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 1008, 1009, 1011, 1013 and 1014 situated at Naigaon, Tal. Haveli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli II, on 15-2-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Western Hatcheries Pvt. Ltd., 1258, J. M. Road, Poona-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Gat No. 1008, 1009, 1011, 1013 and 1014 at Naigaon, Tal. Haveli, admmeasuring 6 acres 24 gunthas along with structures.

(Property as described in the sale deed under No. 157 dated 15-2-77 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Poona).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411 004, the 11th August 1977

Ref. No. CA5/Thana/April '77/335.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 3 of CTS No. 67, Tikka No. 22, situated at Naupada, Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thana on 12-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baburao Santaji Khapre, Kolhaur Baug, Kopri Road, Thana.

(Transferor).

(2) Pankaj Co-operating Housing Society Ltd., Behind Gokhale Road Post Office, Brahmin Society, Naupada, Thana-400 602.

(Transferee).

- (3) (1) Shri S. B. Khapre,
- (2) Shri V. H. Thosar,
- (3) Shri B. B. Jain,
- (4) Mrs. A. S. Jaywant,
- (5) Shri V. B. Khapre,
- (6) Shri N. D. Tanwar,
- (7) Mrs. S. S. Newalkar,
- (8) Mrs. C. S. Pawar,
- (9) Shri G. S. Gangal,
- (10) Shri S. R. Choksi,
- (11) Shri K. G. Sane,
- (12) Shri P. K. K. Nambiar,
- (13) Mrs. G. D. Daga,
- (14) Shri R. J. Kolhatkar,
- (15) Shri D. S. Daga,
- (16) Mrs. V. V. Darne,
- (17) Shri V. V. Sahasrabudhe.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 of CTS No. 67 Tikka No. 12 admeasuring 678 sq. yds. with structures, which is bounded as under :—

Towards North : Property of Shri Khapre,

Towards South : Property of Nishigand Co-op. Housing Society, 10 ft. wide passage.

Towards East : Property of Lokeshwala Co-op. Housing Society.

Towards West : Property of Shri Savle.

(Property as described in the sale deed registered under No. 81 dated 12-4-77 in the office of the Sub-Registrar, Thana).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chandrabai w/o Fulchandji Sethi,
At. Khurai (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Purshottamdas Motilal Saboo
Cir. 9/14, Shahid Chowk, Itwari, Nagpur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NAGPUR(ii) Shri Rajendrakumar Heeralal Saboo
Cir. 9/14, Shahid Chowk, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Nagpur, the 11th August 1977

Ref. No. IAC/ACQ/43/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRI-VASTAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1555, Area 2436 sqr. ft. W. No. 36/21 Cir. No. 9/14 Shahid Chowk, Itwari, Nagpur situated at Itwari, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 17-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Two storied House, No. 1555, Cir. No. 9/14, W. No. 36/21 Area 2436 Sqr. ft., Shahid Chowk, Itwari, Nagpur.
dated 11-8-1977.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 11-8-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

